www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
28 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 115 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

देश के कई हिस्सों में हो रही झमाझम बारिश

- काशी में भारी बारिश के चलते गलियों में जल रहीं चिताएं

वाराणसी/नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के हिस्सों में झमाझम बारिश हो रही है। वहीं नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के बाद यूपी में अलर्ट जारी है। वाराणसी में भारी बारिश के बाद गंगा और प्रयागराज में यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। काशी में मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल पानी में डूब गए हैं। ऐसे में गलियों और छतों पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में देर रात से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। चमोली में लैंडस्लाइड के चलते निजमुला मार्ग बंद है। वहीं, बद्रीनाथ हाईवे पर जोशीमठ-मरवाड़ी पुल से आगे हाथीपहाड़ के पास करीब 30 मीटर सड़क बह गई। हाईवे बंद होने से बद्रीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा प्रभावित हुई है।

मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। आज पूर्वी और उत्तरी हिस्से के 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड समेत 5 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

बिहार में खुलेगा महिला विश्वविद्यालय: सम्राट चौधरी

- 'स्टूडेंट्स, कर्मचारी से लेकर वीसी तक महिलाएँ होंगी'

पटना (एजेंसी)। बिहार की छात्राओं को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान किया है। गुरुवार को पटना के बापू सभागार में 'समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान छात्राओं को लेकर सम्राट चौधरी ने महत्वपूर्ण घोषणा की।

हम लोगों ने तय किया है कि बॉटम से टॉप (नीचे से ऊपर) तक स्टूडेंट्स से लेकर प्रोफेसर, कर्मचारी वाइस चांसलर तक एक नया विश्वविद्यालय बनाएंगे, जिसे सिर्फ और सिर्फ महिलाएं संचालित करेंगी। सिर्फ महिलाएं ही पदाधिकारी होंगी। पढ़ने वाले से लेकर वीसी तक महिलाएं होंगी. जिससे बिहार की समृद्धि का रास्ता खुल सके। '21 सालों से हो रहा विकास का काम' - सम्राट चौधरी ने कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2005 के बाद से जो सिलसिला शुरू हुआ वह लगातार चल रहा है। 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तत्कालीन वित्त मंत्री सुशील मोदी और कई वरिष्ठ साथियों ने बिहार बदलने की पूरी कल्पना की।

रक्षाबंधन के पावन पर्व के आगमन से ठीक पहले बाज़ार में अपनी पसंदीदा राखी की खरीदारी करती बहनें

आज भाईयों के कलाईयों पर बंधेगा बहनों का रक्षासूत्र

नईदिल्ली (एजेंसी)। रक्षा बंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम और रिश्ते को समर्पित प्रमुख त्योहार है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उसके सुख, स्वास्थ्य व लंबी आयु की कामना करती है। भाई भी बहन की रक्षा का वचन देता है और साथ ही उसे उपहार देता है। 'रक्षाबंधन' का अर्थ है- रक्षा। रक्षा बंधन शुक्रवार, आज 28 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षा बंधन, भाई और बहन के बीच शाश्वत प्रेम को दर्शाता है। इस अवसर पर आज भाईयों की कलाईयों पर बहनों का रक्षासूत्र बांधा जाएगा।

रक्षा बंधन 2026 के अन्य शुभ मुहूर्त

शुभ मुहूर्त	समय
अभिजित मुहूर्त	दोपहर 11.56 बजे दोपहर 12.48 बजे
विजय मुहूर्त	दोपहर 2.31 बजे - शाम 3.22 बजे
गोधूलि मुहूर्त	शाम 6.47 बजे - शाम 7.10 बजे
अमृत काल	शाम 7.44 बजे रात 9.23 बजे

बीजिंग गेम्स में चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट ने 100-मीटर स्प्रिंट का बनाया नया रिकॉर्ड

बीजिंग(एजेंसी)। बीजिंग में एक चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट ने 100 मीटर की दौड़ 8.86 सेकंड में पूरी करके नया रिकॉर्ड बनाया। इसने अपने रोबोट कॉम्पिटिटर्स और सबसे तेज़ इंसान के रिकॉर्ड, दोनों को पीछे छोड़ दिया।

यह दौड़ चीन के 'वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स' का हिस्सा थी। यह ओलंपिक की तरह का एक कॉम्पिटिशन है, जो बीजिंग में दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है। यह इवेंट अमेरिका के साथ बढ़ती टेक्नोलॉजी की होड़ के बीच रोबोटिक्स के क्षेत्र में चीन की तेज़ी से हो रही तरक्की को भी दिखाता है।

इससे पहले रोबोट का रिकॉर्ड 9.39 सेकंड का था, जो सिर्फ़ तीन दिन पहले शनिवार को बना था। तुलना के लिए, पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड 9.58 सेकंड का है, जिसे 2009 में जमैका के धावक उसेन बोल्ट ने बनाया था। ह्यूमैनॉइड रोबोट इंडस्ट्री में इतनी तरक्की देखकर एक्सपर्ट्स हैरान हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया, लॉस एंजिल्स में मैकेनिकल और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफ़ेसर डेनिस होंग ने कहा कि, 'यह एक अहम पड़ाव है – सिर्फ़ इसलिए नहीं कि रोबोट इंसान से तेज़ दौड़ा, बल्कि इसलिए कि दो पैरों वाले रोबोट को इतनी तेज़ी से दौड़ाने के लिए किन चीज़ों की ज़रूरत होती है। होंग ने कहा कि, 'जैसे-जैसे रफ़्तार बढ़ती है, बैलेंस, कंट्रोल, झटके, एक्चुएटर की परफ़ॉर्मेंस और मैकेनिकल मज़बूती – ये सभी चीज़ें बहुत ज़्यादा मुश्किल हो जाती हैं।' रिकॉर्ड बनाने वाला रोबोट फ़िनिश लाइन (जो गद्देदार बैरियर थी) से टकराने के बाद गिर गया, उसकी कमर से चिंगारियां निकल रही थीं। होंग ने बताया कि इस गिरने से ज़्यादा ज़रूरी और मुश्किल सवाल सामने आते हैं। क्या रोबोट सुरक्षित रूप से चल और रुक सकते हैं, अचानक सामने आने वाली रुकावटों को पहचान सकते हैं, गलतियों से उबरकर काम जारी रख सकते हैं? ये ऐसी क्षमताएं हैं, जो उन्हें असल में ज़्यादा उपयोगी बनाती हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पत्रादेवी में हुतात्मा स्मृति स्मारक का उद्घाटन किया

गोवा मुक्ति सत्याग्रहियों को श्रद्धांजलि दी

पणजी (एजेंसी)। गोवा मुक्ति आंदोलन में अपनी जान कुर्बान करने वाले हर जाने-अनजाने योद्धा को इतिहास में पूरा सम्मान मिलना चाहिए। गोवा की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले

एक भी शहीद का नाम इतिहास से छूट न जाए, इसके लिए सरकार को पूरी रिसर्च करनी चाहिए और सभी शहीदों के नाम पता करके उन्हें पत्थरों पर उकेरना चाहिए ताकि उनकी याद हमेशा बनी रहे। यह अपील रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की।

उन्होंने गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को भी साफ निर्देश दिए और उम्मीद जताई कि वह खुद इसका ध्यान रखें और किसी की कुर्बानी बेकार न जाए।

नेपाल बाढ़ में मरने वालों का आंकड़ा 273 पहुंचा

1500 की तलाश, 288 भारतीय लापता

काठमांडू / नईदिल्ली (एजेंसी)। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह आई अचानक बाढ़ में मरने वालों का आंकड़ा 273 पहुंच गया है। इनमें नेपाल में 270 और तिब्बत में 3 लोगों की जान गई है। वहीं, करीब 1,500 लोग अब भी लापता हैं।

सिर्फ नेपाल में 900 से ज्यादा लोगों के लापता होने की जानकारी है। इनमें 32 देशों के करीब 525 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। चीन की सरकारी वेबसाइट सीसीटीवी के मुताबिक,

तिब्बत में 550 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, नेपाल में 288 भारतीयों से संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें 73 लोग त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट में काम करते हैं। अब तक 21 भारतीयों को सुरक्षित बचाया गया है। वहीं, तिब्बत में फंसे करीब 200 भारतीयों से भी लगातार संपर्क किया जा रहा है।

हर सेकेंड 79.3 लाख लीटर पानी निकल रहा, सीएम सम्राट बोले- खतरा अभी टला नहीं

नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार को आई बाढ़ के बाद बिहार के गंडक बैराज से सुबह से 4 बार पानी छोड़ा जा चुका है। रात 12 बजे तक नेपाल की ओर से करीब डेढ़

लाख क्यूसेक, यानी क्यूबिक फीट प्रति सेकेंड पानी छोड़ा गया। बगहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। रात 12 बजे बैराज से 1 लाख 52 हजार क्यूसेक, सुबह 6 बजे 88 हजार, 7 बजे 92,900 हजार, 10 बजे 104,400, 12 बजे 106,600 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

खेलो इंडिया डायलॉग में पीएम मोदी बोले ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ानी होगी, अभी से खिलाड़ी तैयारी करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें।

मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है।

पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए।

नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर- 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है।

ओलंपिक में नए खेलों पर- देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है।

खेलो इंडिया संवाद पर- सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे।

न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का कार्यक्रम रद्द करने की कोशिश

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है।

एचएएफ ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी तरह के टकराव से बचने की अपील की है। दरअसल, भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी समेत कुछ संगठनों ने विरोध किया है। एचएफए ने कहा, कुछ लोग कार्यक्रम को रद्द कराना चाहते हैं। इसके बाद एचएफए ने मेयर ममदानी से कार्यक्रम की सुरक्षा और नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

प्रेमी और पत्नी को कमरे में पति ने न्यूड पकड़ा

- झांसी में बॉयफ्रेंड से भरवाई मांग-वरमाला पहनवाई, कपड़े पहनने का मौका भी नहीं दिया

झांसी (एजेंसी)। झांसी में पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ने के बाद पति ने दोनों की शादी करा दी। पति ने दोनों को कपड़े पहनने का मौका भी नहीं दिया और उसी हालत में प्रेमी से पत्नी की मांग में सिंदूर भरवाया। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और विवाहिता ने प्रेमी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

मामला जिला मुख्यालय से करीब 28 किलोमीटर दूर चिरगांव थाना क्षेत्र का है। 23 अगस्त को पति ने पत्नी और उसके प्रेमी को कमरे

में आपत्तिजनक हालत में पकड़ा था। दोनों की शादी का वीडियो गुरुवार को सामने आया।

पति के मुताबिक, दोनों की शादी जून 2026 में हुई थी। आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही पत्नी उसे नींद की गोलियां देती थी। उसके सोने के बाद वह प्रेमी से मोबाइल पर बात करती थी। तालाबपुरा मोहल्ला में रहने वाले राजेश प्रजापति ने बताया- मेरी शादी 24 जून को दतिया के भांडेर क्षेत्र की अभिलाषा से हुई थी। शादी के करीब एक महीने बाद उसे पत्नी के व्यवहार पर शक होने लगा। उसका आरोप है कि पत्नी उसे नींद की गोलियां देती थी। उसके सोने के बाद प्रेमी से मोबाइल पर बात करती थी। राजेश का आरोप है कि 19 अगस्त को घर के जेवर भी गायब हो गए। उसने पत्नी से पूछताछ की, लेकिन वह कोई जवाब नहीं दे सकी। बाद में उसे पता चला कि पत्नी ने कुछ जेवर अपने प्रेमी को दे दिए थे।23 अगस्त को पति ने अपने ही घर में पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया था।

मामा का एक्सीडेंट हुआ, घर पहुंचा तो खुला राज

राजेश ने बताया कि 23 अगस्त को उसके मामा का एक्सीडेंट हो गया था। वह पत्नी को घर पर छोड़कर झांसी मेडिकल कॉलेज गया था। दोपहर करीब 2 बजे लौटने पर घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। शक होने पर वह छत के रास्ते घर में दाखिल हुआ। पति के मुताबिक, कमरे में पत्नी और एक युवक बेड पर मिले। उसने दोनों के फोटो-वीडियो बना लिए। इसी दौरान दोनों ने उसे देख लिया और पकड़कर धक्का दे दिया। वह किसी तरह खुद को छुड़ाकर बाहर आया और शोर मचाया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद उसने 112 पर पुलिस को सूचना दी। राजेश के मुताबिक, मौके पर पहुंचे लोगों ने फूल और सिंदूर मंगवाकर दोनों की शादी करा दी। इसके बाद पुलिस दोनों को थाने ले गई। उसका आरोप है कि प्रेमी के खिलाफ सिर्फ शांतिभंग की कार्रवाई की गई।

कानपुर में ट्रेनिंग विमान क्रैश पायलट और ट्रेनी की मौत

प्लेन में अचानक धमाका हुआ, फिर नीचे गिरा; दोनों बाहर नहीं निकल पाए

कानपुर (एजेंसी)। यूपी के कानपुर में ट्रेनिंग विमान क्रैश हो गया। हादसे में पायलट और ट्रेनी की मौत हो गई। विमान ने गुरुवार सुबह 11.30 बजे उड़ान भरी थी। 11.50 बजे यानी उड़ान के महज 20 मिनट बाद गंगा बैराज के पास 5 फीट ऊंची बाउंड्री वॉल से टकराकर खेत में जा गिरा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान करीब 200-250 फीट ऊपर था। तभी अचानक हवा में डगमगाया और क्षतिग्रस्त हो गया। नीचे गिरते ही पूरा विमान टूटकर बिखर गया। पुर्जे दूर तक बिखर गए। हालांकि, विमान में आग नहीं लगी। हादसे से जुड़े वीडियो सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि जमीन में गिरने के बाद विमान मलबे

में तब्दील हो गया। एक पायलट कॉकपिट के पास फंसा था। दूसरा गंभीर हालत में विमान से थोड़ी दूर खून से लथपथ पड़ा था। विमान की एक सीट भी टूटकर बाहर आ गई। करीब 12:15 बजे पुलिस-प्रशासन की टीम पहुंची।

खून से लथपथ पायलट सचिन भाटिया (गुजरात) और ट्रेनी अभिषेक पुजारी (कर्नाटक) को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों पायलट की मौत ऊंचाई से गिरने की वजह से हुई।

मुख्यमंत्री ने चम्पावत को दी 62.97 करोड़ की 50 विकास योजनाओं की सौगात

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : रक्षाबंधन के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को रामलीला मैदान धूरा चंपावत में 'मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव-2026' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने चम्पावत के सर्वांगीण विकास के लिए कुल 62.97 करोड़ की 50 महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 11.08 करोड़ की 20 योजनाओं का लोकार्पण तथा 51.89 करोड़ की 30 नई विकास योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इन योजनाओं से जनपद में सड़क, पेयजल, सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा एवं धार्मिक पर्यटन से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी।मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की घोषणा की। इनमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्थान धूरा में पेयजल योजना, धूरा से सेतीचौड़ ब्याला तक संपर्क मोटर मार्ग,

ग्राम पंचायत ककनई के तोक बूंगा दुर्गापीपल तक सड़क, भागिना भंडारी में मुख्य सड़क से राजकीय इंटर कॉलेज एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय दयारतोली तक सीसी मार्ग व इंटरलॉकिंग टाइल्स, धन एवं बस्तियागूंठ के विभिन्न मंदिरों का सौंदर्यीकरण शामिल है। इसके साथ ही आमोड़ी, भलुवागाड़ी, डोलाकांडा, फुरकियाझाला, छतकोट, बेलखेत, खिरद्वारी, बुडम, झालाकुड़ी, नौलापानी एवं बस्तियागूंठ के मास्वाड तोक सहित विभिन्न क्षेत्रों में भूकटाव एवं बाढ़ सुरक्षा हेतु वायरक्रेट कार्य, ग्राम पंचायत पोथ के लदिया नदी में झूला पुल, दियूरी से चौड़ा तक सड़क का सुधारीकरण एवं डामरीकरण, डांडा ककनई में सिंचाई हेतु नलकूप, सुखीढांग-डांडा-मीनार मोटर मार्ग में हॉटमिक्स तथा बुडम के कठोल में झूला पुल निर्माण कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति से रक्षा सूत्र बंधवाकर सभी को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि राज्य की प्रत्येक मातृशक्ति को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा चम्पावत के विकास के लिए क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान केवल हिमालयी चोटियों और प्राकृतिक सौंदर्य से नहीं, बल्कि यहां की मेहनती, साहसी और आत्मनिर्भर मातृशक्ति से भी है।

वन पंचायत की भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

नंदानगर। विकासखंड नंदानगर के ग्राम बूरा में वन पंचायत की भूमि पर अवैध कब्जे किए जाने का मामला सामने आया है।

वन पंचायत सरपंच दिनेश प्रसाद तिवारी ने मामले की शिकायत एसडीएम से करते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग वन पंचायत की भूमि पर दीवार लगाकर घेरबाड़ करने के साथ ही गोशाला का निर्माण कर रहे हैं।

सरपंच ने ग्रामीण भरत लाल, संदीप सिंह, लक्ष्मण सिंह, संजय प्रसाद और वन पंचायत चौकीदार राम सिंह के साथ मौके का निरीक्षण भी किया। उनका कहना है कि अवैध कब्जे का विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। सरपंच ने एसडीएम से मामले की जांच कर अवैध कब्जे हटाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

कोटी कॉलोनी में वाटर एडवेंचर एकेडमी नहीं बनने पर विधायक नाराज

नई टिहरी। पूर्व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह की घोषणा के बावजूद कोटीकॉलोनी में वाटर एडवेंचर खेल अकादमी नहीं बनने पर विधायक किशोर उपाध्याय ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जानकारी मिली है कि टीएचडीसी ने कोटेश्वर क्षेत्र में अकादमी बनाई है। कोटेश्वर में अकादमी बनाने का वह विरोध नहीं करते लेकिन टिहरी के केंद्र बिंदु कोटी कॉलोनी में अकादमी बनती तो इसका लाभ अधिक लोगों को मिलता।

पत्रकार वार्ता में विधायक उपाध्याय ने कहा कि टिहरी के इणिया में ही मेडिकल कॉलेज बनेगा। इसमें एमबीबीएस की 100 सीटें और 400 बेड का अस्पताल होगा। आगामी अक्तूबर माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित टिहरी दौरे के दौरान मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया जाएगा। बताया इणिया में मेडिकल कॉलेज के लिए करीब 14 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की जा चुकी है। इसमें कुछ भूमि राजस्व विभाग और कुछ टीएचडीसी के अधीन है।

उन्होंने बताया कि टीएचडीसी ही मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का निर्माण करेगी। जाखणीधार ब्लॉक के लामणीधार में निर्माणाधीन आयुष अस्पताल को लेकर विधायक ने कहा कि वहां भूमि कम होने के कारण प्रशासन और विभाग की रिपोर्ट के आधार पर अस्पताल को आसपास ही दूसरी जगह बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

एक नजर

किसी भी परिस्थिति में समझदारी और सतर्कता से लें निर्णय

सेलाकुई। जमनपुर स्थित दून ग्लोकल स्कूल में बृहस्पतिवार को बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल के अध्यक्ष इमरान खान ने विद्यार्थियों से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया।

इमरान खान ने बच्चों को अपने आसपास के वातावरण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसी भी परिस्थिति में समझदारी और सतर्कता से निर्णय लेने पर जोर दिया। खान ने कहा, जागरूकता और सही जानकारी बच्चों को सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे और सवाल पूछे। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों में जागरूकता, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास विकसित करना है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

पुलिस ने मोबाइल बरामद कर 14 लोगों को लौटाए

विकासनगर। रक्षाबंधन से पहले कोतवाली पुलिस ने गुम हुए 14 मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सौंप दिए। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब छह लाख रुपये है। लंबे समय बाद मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी छा गई। बहनों और उनके परिजनों ने रक्षाबंधन से पहले मोबाइल मिलने पर पुलिस का आभार जताया।कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि मोबाइल फोन गुम होने की शिकायत मिलने पर पुलिस तत्काल गुमशुदगी दर्ज करती है। इसके बाद मोबाइल के पहचान क्रमांक को केंद्रीय संचार पहचान रजिस्टर पोर्टल पर अवरुद्ध और खोज के लिए दर्ज किया जाता है। तकनीकी माध्यमों से मोबाइल की लगातार निगरानी और खोज की जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत पुलिस टीम ने 14 मोबाइल बरामद किए हैं।

वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में किया पेश

विकासनगर। कोतवाली पुलिस ने वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मुस्लिम बस्ती निवासी हारुण को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंटों की शत-प्रतिशत तामीली के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। इसी अभियान के तहत वारंटी को गिरफ्तार किया। वह सड़क दुर्घटना से जुड़े मामले में न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था। पुलिस ने आरोपी को बृहस्पतिवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया।

सीवरेज का पानी नाले में डालने का आरोप

विकासनगर। नगरपालिका क्षेत्र के मुख्य पहाड़ी गली चौक पर करीब एक माह से सीवरेज का पानी पंपिंग सेट के माध्यम से बरसाती पानी की नाली में डाले जाने का मामला सामने आया है। ह्यूमन राइट एंड आरटीआई एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद शर्मा ने उत्तराखंड मानवाधिकार आयोग के सचिव को पत्र भेजकर शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीवरेज का दूषित पानी खुले नाले में डाले जाने से क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। साथ ही इससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है। शिकायतकर्ता के अनुसार संबंधित अधिकारियों को कई बार समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी सुधारात्मक कदम नहीं उठाया गया।

रक्षाबंधन पर श्रीनगर बाजार में उमड़ी भीड़

श्रीनगर गढ़वाल : रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर बाजार में मिठाई की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। इसे देखते हुए कारोबारियों ने भी अतिरिक्त कारीगर लगाने के साथ मिठाइयों का स्टॉक भी बढ़ा दिया है। इस बार भी सावन की खास मिठाई घेवर ग्राहकों की पसंद बनी हुई है। दुकानों पर मलाई और सादा घेवर के साथ मूंगदाल बर्फी, बेसन बर्फी, बेसन के लड्डू और आटे के ड्राईफ्रूट लड्डू तैयार किए जा रहे हैं। शुगर फ्री मिठाइयों और ड्राईफ्रूट गिफ्ट बॉक्स की भी अलग-अलग वैरायटी रखी गई हैं। मिठाइयों की कीमत 500 से 2000 रुपये प्रति किलो तक है। खरीदारी करने पहुंचीं अंशिका व पूनम ने बताया कि रक्षाबंधन पर घेवर जरूर खरीदा जाता है। कारोबारी मदन सिंह राजपुरोहित ने बताया कि मिठाइयां देसी घी में बनाई जा रही हैं। ग्राहकों की पसंद को देखते हुए आकर्षक गिफ्ट पैक भी तैयार किए गए हैं। विवेक जैन ने बताया कि रक्षाबंधन के दिन सुबह से ही बिक्री तेज हो जाती है। (एजेंसी)

नेपाल आपदा के मृतकों को सेलाकुई में श्रद्धांजलि

सेलाकुई। राजा रोड स्थित कार्यालय में ब्लॉक प्रमुख अर्चना रावत के नेतृत्व में नेपाल आपदा के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। ब्लॉक प्रमुख अर्चना रावत ने नेपाल की आपदा को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, जो पीड़ादायक है। रावत ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और उनके साथ खड़े रहने का आह्वान किया। उन्होंने प्रभावित लोगों के जल्द सुरक्षित होने की कामना भी की। सभा में उपस्थित लोगों ने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं मानव जीवन को क्षति पहुंचाती हैं। ऐसे समय में मानवता और आपसी सहयोग मजबूत करना जरूरी है।

रक्षाबंधन पर देहरादून रूट पर चलेंगी अतिरिक्त बसें

ऋषिकेश। रक्षाबंधन के त्योहार पर शुक्रवार को रोडवेज ऋषिकेश डिपो की ओर से अतिरिक्त बसों को संचालन किया जाएगा। रोडवेज के वरिष्ठ केंद्र प्रभारी नवीन तिवारी ने कहा कि रक्षाबंधन के त्योहार अतिरिक्त बसों को भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि देहरादून रूट की 13 बसों का अनुबंध खत्म होने से इस रूट पर पहले से ही बसों का अभाव है। ऐसे में बहनों को देहरादून तक पहुंचाने के लिए रोडवेज की अतिरिक्त बसें भेजी जाएंगी।

उन्होंने बताया कि आईएसबीटी परिसर में जैसे-जैसे भीड़ बढ़ती जाएगी, वैसे ही बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। रोडवेज मुख्यालय की ओर से रक्षाबंधन के त्योहार पर आज 28 अगस्त और 29 अगस्त को बसों में बहनों को मुफ्त में बस सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बस चालकों से भी अधिक से अधिक बहनों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए निर्देशित किया गया है।

तुंगनाथ मार्ग निर्माण के लिए आंदोलन को मिला समर्थन

चोपता। तुंगनाथ मार्ग निर्माण के लिए मोहनखाल-किनझाणी-तुंगनाथ संघर्ष समिति का आंदोलन 13वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन को विभिन्न सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, राजनीतिक दलों, संगठनों ने समर्थन दिया।

बृहस्पतिवार को केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मनोज रावत ने धरना स्थल पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से कई लाभ होंगे। शासन-प्रशासन को शीघ्र जनता की इस मांग को हल करना चाहिए। वहीं आंदोलन का भाकपा माले ने भी समर्थन दिया। भाकपा माले की गढ़वाल कमेटी के सदस्य कॉमरेड मदन मोहन चमोली ने कहा कि मार्ग के लिए दो वर्ष पूर्व भी आंदोलन हुआ था। मगर मुख्यमंत्री की घोषणा के शासनादेश के नाम पार ग्रामीणों को छला जा रहा है। भाकपा माले के राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी ने कहा कि जिस स्थान पर यह आंदोलन हो रहा है, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट का घर व होम स्टे उस स्थान से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर है।

उसके बावजूद टालमटोल की जा रही है। वहीं आंदोलनकारियों ने शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। धरना देने वालों में संघर्ष समिति के अध्यक्ष राकेश नेगी, सचिव वासुदेव नेगी, उपाध्यक्ष दीपक थपलियाल, सहसचिव अध्यक्ष धर्मेंद्र बिष्ट, कोषाध्यक्ष राजीव नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य जीत सिंह, विनोद बिष्ट और विशाल नेगी आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में हिमनद झीलों की होगी निगरानी

देहरादून। हिमनद झीलों पर अर्ली वार्निंग सिस्टम लगने के बाद वे कितना सटीक और कारगर हैं, पता चल सकेगा। पर इसके साथ जरूरी है कि नदी के 200 मीटर तक फ्लड प्लेन एरिया में लोग न बसें।

भोटेकोशी की घटना के बाद अर्ली वार्निंग सिस्टम को लेकर चर्चा तेज हो गई है। वैज्ञानिकों भी अर्ली वार्निंग सिस्टम की जरूरत बता रहे हैं, पर नदी के किनारे बसावट न हो, इस पर अधिक ध्यान देने की सलाह भी दे रहे हैं। इससे लोगों की सुरक्षा हो सकेगी। वहीं, केदारनाथ, चमोली, धराली और अब नेपाल के भोटेकोशी में आई आपदा के अलग-अलग कारण थे। पर इन घटनाओं में संकरी घाटी, तीव्र ढलान के साथ ही तेज बहाव के साथ पानी, मलबा बोल्डर आने की बात एक जैसी रही है, जिसने कुछ समय में ही भारी तबाही मचा दी।

उत्तराखंड में अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने की हो रही कवायद

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी)

ने देश में 28043 हिमनद झीलों को चिह्नित किया है। इन झीलों की निगरानी का काम भी एनआरएससी करता है। इसके अलावा एनडीएमए और राज्य के विभाग भी हिमनद झीलों के जोखिम को कम करने के लिए कोशिश कर रहा है। वहीं, उत्तराखंड की बात करें तो यहां पर बेहद संवेदनशील चार झीलों का अध्ययन हो चुका है, अब यहां पर अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने की बात हो रही है। यह कार्य वाडिया हिमालय भू विज्ञान संस्थान को सौंपा गया है। पर इसके लिए सबसे सबसे बड़ी चुनौती सैटेलाइट कम्युनिकेशन की है। संस्थान के निदेशक विनीत गहलौत बताते हैं कि इस पहलू पर विचार किया जा रहा है।

अभिनेत्री उर्मिला सनावर के खिलाफ एक और मामला दर्ज

देहरादून। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपों को लेकर उर्मिला सनावर के खिलाफ नेहरू कॉलोनी थाने में एक और मामला दर्ज हुआ है। महिला की तहरीर पर दर्ज प्राथमिकी में आरोप है कि उर्मिला सनावर अपनी फेसबुक आईडी के जरिए उसके खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक बातें लिख रही थीं। महिला ने कहा कि उन्हें आत्महत्या तक के लिए उकसाया जा रहा है।

तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि उर्मिला सनावर ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके खिलाफ लगातार आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित की। उर्मिला सनावर के खिलाफ उत्तराखंड में अलग-अलग थानों में पहले ही कई मामले दर्ज हैं। इनमें एक मामला भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत कुमार गौतम की शिकायत पर दर्ज हुआ है। नेहरू कॉलोनी थाने में ही आरती गौड़ की शिकायत पर भी उर्मिला के खिलाफ एक और मामला दर्ज है। आरती का आरोप कैह कि मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए जाने के बाद उन्हें अज्ञात लोगों से धमकी भरे फोन आने लगे।

खुद को पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी हैं बताती

बता दें कि उर्मिला सनावर उस समय भी चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने नवंबर 2025 में सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर हरिद्वार की ज्वालापुर विधानसभा सीट से भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से मदद की गुहार भी लगाई थी। वह सोशल मीडिया पर अपना नाम एक्ट्रेस उर्मिला सुरेश राठौर लिखती हैं और खुद को पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी बताती हैं।

अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया पर ऑडियो और वीडियो जारी करने के बाद भी उर्मिला सनावर सुर्खियों में रही थीं। उन्होंने कुछ सफेदपोशों और राजनेताओं के मामले में शामिल होने संबंधी दावे किए थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

काशीपुर । एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के पति ने उसे बीमारी के कारण मौत होना बताया, जबकि मृतका के पिता ने हत्या की आशंका जताते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

काशीपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता की मौत हो गई। मृतका के पति ने बीमारी के चलते उसकी मृत्यु होने की बात कही है। जबकि मृतका के पिता ने उसकी हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सांईधाम कालोनी निवासी रोहित ने दो वर्ष पूर्व जसपुरखुर्द बांसियोंवाला निवासी यशी से प्रेम विवाह किया था। उसके एक आठ माह का बच्चा है। यशी की बुधवार-बृहस्पतिवार रात एक बजे संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंचे मृतका के पिता राजेश कुमार ने 112 नंबर पर पुलिस को कॉल कर अपनी बेटी की हत्या हो जाने की आशंका जताई। आरोप है कि विवाहिता को जलाकर मारा गया है। सूचना पर तहसीलदार पंकज चंदोला और आईटीआई थाने की एसआई मीनाक्षी मनराल ने मौके पर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

गोहना नदी में बढ़ा पानी, सड़क पर तेज बहाव से आवाजाही प्रभावित

विकासनगर। क्षेत्र के ग्राम रुद्रपुर में गोहना नदी का जलस्तर बृहस्पतिवार को अचानक बढ़ गया। नदी का पानी सड़क पर तेज बहाव के साथ आने से राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी। कई लोग तेज बहाव देखकर वापस लौट गए, जबकि कुछ लोग जोखिम उठाकर वाहनों से पानी पार करने को मजबूर हुए।

क्षेत्र पंचायत सदस्य मोहन सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को भी नदी का पानी सड़क पर आने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। तेज बहाव देखकर कई लोग रास्ते से वापस लौट गए, जबकि कुछ लोगों ने जोखिम उठाकर वाहनों से पानी पार किया। सहसपुर विधायक प्रतिनिधि नरेंद्र तोमर ने बताया कि गोहना नदी पर करीब 10 वर्ष पहले पुल निर्माण को मंजूरी मिली थी, लेकिन अब तक पुल का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि हर मानसून में सोरना, डोभरी, बड़वा, होरावाला समेत करीब 20 गांवों के ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ती है। नदी का पानी बढ़ने पर मार्ग बाधित हो जाता है और लोगों को सहसपुर होते हुए विकासनगर पहुंचने के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है।

स्वाइन फ्लू का अलर्ट, रैपिड टीमें तैनात

रुद्रपुर। जिले में स्वाइन फ्लू के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। विभाग ने सभी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों को विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। रैपिड टीमों की तैनाती कर उन्हें सतर्क कर दिया गया है। लोगों से भी सावधानी बरतने की अपील की गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू के संभावित मामलों की पहचान के लिए अपनी निगरानी बढ़ा दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसके गोस्वामी ने बताया कि सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को संदिग्ध मरीजों पर नजर रखने को कहा गया है। फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों की तत्काल जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। रैपिड रिस्पांस टीमें किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेंगी।

अंकिता हत्याकांड में न्याय की मांग

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय, सीबीआई जांच की प्रगति सार्वजनिक करने और वीआईपी प्रकरण की सच्चाई सामने लाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने न्याय मार्च निकाला। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में कार्यकर्ता हाथीबड़कला से मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने पहुंचे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने पहुंचे। हाथों में बैनर-पोस्टर लिए महिलाओं ने भी मार्च में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरिकेडिंग पर रोक दिया, जिसके बाद महिलाएं यही धरने पर बैठ गईं।

महिलाओं को सशक्त किए बिना समृद्ध उत्तराखण्ड की कल्पना व्यर्थ

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास, स्नेह, समर्पण और सुरक्षा के संकल्प का पावन पर्व है। यह पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के साथ-साथ नारी सम्मान और सामाजिक सद्भाव की भावना को भी मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा बन्धन का पर्व सामाजिक सद्भाव के साथ ही महिलाओं के प्रति आदर एवं सुरक्षा की भावना को भी सुदृढ़ बनाता है। रक्षाबंधन महिलाओं के सम्मान से जुड़ा पर्व भी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति हमारा प्रयास निरन्तर जारी है। महिलाओं को सशक्त किए बिना समृद्ध उत्तराखण्ड की कल्पना पूरी नहीं हो सकती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी प्रगति के लिए एक आदर्श समाज के निर्माण में सहयोगी बनने की भी अपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उत्तराखंड में भी महिलाओं को स्वरोजगार, उद्यमिता और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया गया है।

महिलाओं ने आईटीबीपी के जवानों के साथ मनाया रक्षाबंधन

ज्योतिर्मठ। रक्षाबंधन पर्व पर एकल अभियान की बहनों ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों के साथ आईटीबीपी कैंप सुनील में रक्षाबंधन मनाया। महिलाओं ने जवानों की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान कैंप में मिष्ठान वितरण भी किया गया। इस मौके पर संभाग महिला प्रमुख दया पांडा, रश्मि नेगी, नीरजा पंवार, अमीषा, अतुल शाह, देवेंद्र सिंह नेगी, आईटीबीपी के इंस्पेक्टर चिरंजीव, इंस्पेक्टर मोहन सिंह, वेद प्रकाश आदि मौजूद रहे।

बाजारों में बढ़ी रौनक

कर्णप्रयाग। रक्षाबंधन पर्व के लिए दुकानें सज गईं। दुकानों में सुबह से बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर खरीदारी की। दुकानों में चांदी, रेशम, खिलौने आदि की राखियां जमकर बिकी।

व्यापारी नवीन डिमरी, अशोक अरोड़ा, आशीष डिमरी, विक्रम पंवार आदि ने बताया कि त्योहार को लेकर व्यापार बढ़ा है। वहीं राखी के लिए अलग-अलग शहरों में बसे लोग भी अपने घरों को पहुंचे। इससे वाहनों की जमकर भीड़ रही।

फूलों की घाटी में पर्यटकों का नया रिकॉर्ड

चमोली। विश्व धरोहर फूलों की घाटी में इस साल पहुंचे पर्यटकों की संख्या ने पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। अभी फूलों की घाटी दो माह तक खुली रहेगी। ऐसे में पर्यटकों की संख्या में और भी अधिक इजाफा होगा।

फूलों की घाटी में 21 जून तक 22 हजार 745 पर्यटक प्रकृति के इस मनमोहक क्षेत्र में घूमने पहुंचे हैं। इसमें 154 विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। यह घाटी में आने वाले पर्यटकों की अब तक की सबसे अधिक संख्या है। एक जून से घाटी में पर्यटकों की आवाजाही शुरू हुई। उसके बाद से लगातार यहां पर्यटक आते रहे। साथ ही इस वर्ष बरसात में मौसम भी अनुकूल बना रहा। सड़क व हाईवे बाधित होने की घटनाएं कम हुई इसका सकारात्मक परिणाम फूलों की घाटी में देखने को मिला है। घाटी में 31 अक्तूबर तक पर्यटक घूमने के लिए जा सकते हैं।

हाथी पहाड़ के पास भारी बोल्डर गिरने से 20 मी.सड़क ध्वस्त

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर हाथी पहाड़ के पास भारी बोल्डर गिरने से करीब 20 मीटर सड़क ध्वस्त हो गई। इससे यातायात प्रभावित हुआ। सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण बदरीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा रोकी गई। हालांकि आठ घंटे बाद हाईवे पर आवाजाही शुरू की गई। यात्रा जारी है।

वहीं, मारवाड़ी चौकी के आगे ऋषिगंगा के पास हाईवे पर बड़े-बड़े बोल्डर आ गए। इस स्थान पर सड़क कई जगह से धंस गई है, जिससे आवाजाही में परेशानी बढ़ गई है। बारिश के चलते हाईवे पर भूस्खलन और सड़क धंसने का खतरा बना हुआ है। आज प्रदेश में भी बारिश का सिलसिला जारी है। प्रशासन और संबंधित विभाग की ओर से सड़क को सुचारु करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

पहाड़ों में लगातार बारिश से राहत मिलने की उम्मीद, इन जगह मुश्किल

पहाड़ों में लगातार बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने हरिद्वार और यूएसनगर जिले में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पर्वतीय जनपदों में हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं। मौसम विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार हरिद्वार और उधमसिंह नगर जिले में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। देहरादून में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

सुयालकोट में अब बनाई जा रही नई सड़क

देवाल। देवाल-खेता-मानमती के सुयालकोट में सड़क ध्वस्त हुई थी। अब इसी मुख्य सड़क से करीब 20 मीटर नीचे से नई सड़क बनाई जा रही है। लोनिवि नई जगह से करीब 250 मीटर नई सड़क की कटिंग कर रहा है। बृहस्पतिवार से लोनिवि ने काम भी शुरू कर दिया है। सुयालकोट में भारी भूस्खलन के कारण चार दिन से बंद पड़ी थी। इस कारण क्षेत्र की करीब दस हजार आबादी का संपर्क तहसील मुख्यालय से कटा हुआ है। वहीं इस मार्ग के दोनों तरफ 30 से अधिक वाहन फंसे हैं। ऐसे में लोनिवि की ओर से अब नई जगह से सड़क बनाई जा रही है।

ग्रामीण मां अष्टभुजा व मटीक ढोल देवता के साथ डोडीताल रवाना

उत्तरकाशी। साल्ड गांव के ग्रामीण अपने आराध्य देवी मां अष्टभुजा देवी और मटीक ढोल देवता के साथ डोडीताल के लिए रवाना हुए। गांव से डोडीताल तक धार्मिक यात्रा के दौरान जगह-जगह ग्रामीणों ने देवी-देवताओं का फूल-मालाओं से स्वागत किया। वहीं, अगोड़ा गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने साल्ड से पहुंचे श्रद्धालुओं और देवी-देवताओं का भव्य स्वागत किया। बुधवार को साल्ड गांव की थात पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए। यहां विधिविधान से मां अष्टभुजा देवी और मटीक ढोल देवता की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद ग्रामीण पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ डोडीताल के लिए रवाना हुए। यात्रा को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह नजर आया। साल्ड गांव निवासी अवतार सिंह मेहर और सुरेश नौटियाल ने बताया कि इस धार्मिक यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे डी0एल0 सं0 UK-1520030020258 में मेरा नाम NAFIS AHMAD पुत्र MOHD. HANIF अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड सं0 2645 9576 6004 मे मेरा नाम NAFEES AHMAD पुत्र MOHD. HANEEF अंकित है। मेरे डी0एल0 में मेरा आधार कार्ड के अनुसार सही व वास्तविक नाम NAFEES AHMAD पुत्र MOHD. HANEEF को अंकित किया जाय।

नफीस अहमद पुत्र मौ0 हनीफ निवासी मोहल्ला धनीराम बाजार, दुगड्डा, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0599/21)

संक्षिप्त समाचार

खेल महाकुंभ के लिए 9,380 ने कराया पंजीकरण

रुद्रप्रयाग। खेल महाकुंभ को लेकर जिले में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। अब तक 9,380 बालक-बालिकाओं का पंजीकरण हो चुका है।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने एनआईसी कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रतियोगिता स्थलों पर खिलाड़ियों के लिए पेयजल, बिजली, साफ-सफाई समेत सभी जरूरी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को खेल स्थलों पर चिकित्सकों की टीम और एंबुलेंस की व्यवस्था रखने के निर्देश भी दिए। जिला युवा कल्याण अधिकारी वरद जोशी ने बताया कि न्याय पंचायत स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि खेलकूद प्रतियोगिताएं 1 से 3 सितंबर तक होंगी। इसके बाद विधानसभा स्तर पर विधायक चैंपियन ट्रॉफी 16 से 20 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, एसीएमओ डॉ. सीमा टेकचंदानी, खंड विकास अधिकारी सुरेश शाह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वागत द्वार बनाने नहीं दिया तो धरने पर बैठे लोग

रायवाला। ग्राम पंचायत हरिपुरकलां में स्वागत द्वार लगाने का कार्य शुरू होते ही वृद्ध आश्रम की पदाधिकारियों ने विरोध शुरू हो गया। इसके बाद पंचायत प्रतिनिधि और अन्य लोग वहीं धरने पर बैठ गए।

ग्राम प्रधान सविता शर्मा ने बताया कि पंचायत की ओर से हरिपुरकलां और हरिद्वार की सीमा पर गीता कुटीर पुलिस चौकी के समीप स्वागत द्वार बनाया जा रहा है। गेट के पास वृद्ध आश्रम के नाम से एक बहुमंजिला भवन बनाने वालों ने सड़क व निकास नाले पर अतिक्रमण कर निर्माण किया हुआ है। आश्रम के लोग पंचायत को स्वागत द्वार निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। ग्राम प्रधान का कहना है कि इस कथित रूप से बन रहे वृद्ध आश्रम की संपत्ति की जांच करवाई जाएगी। आश्रम संचालकों की ओर से नाले पर अतिक्रमण कर बहुमंजिला भवन निर्माण किया गया है। विकास प्राधिकरण और तहसील प्रशासन को इसकी जांच करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आश्रम की संपत्ति की जांच की मांग को लेकर धरना जारी रहेगा। इस दौरान विक्रांत भारद्वाज, प्रेमलाल शर्मा, अनिल बहुखंडी, लक्ष्मी जुगरान, सीमा कोठारी, दीपक, अंकित बिजल्वाण, हिमांशु सिलस्वाल, कामेश प्रजापति, विजय शर्मा, नरेंद्र कोठारी आदि उपस्थित रहे।

यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग

यमकेश्वर। यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय(सेंटर स्कूल) की स्थापना को लेकर विधायक रेनू बिष्ट ने दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें एक ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में विधायक रेनू बिष्ट की ओर से लिखा गया है कि यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र एक विस्तृत पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्र है। विधानसभा क्षेत्र में कई परिवार सीमित आर्थिक और भौगोलिक संसाधनों के कारण अपने बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा देने के लिए शहरों में भेजने में सक्षम नहीं हैं। बच्चों को उनके घर के निकट गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए यमकेश्वर में विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों के बच्चों को समान अवसर प्राप्त होंगे। शिक्षा के लिए होने वाले पलायन को भी कम करने में सहायता मिलेगी। विधायक रेनू बिष्ट ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए गृहमंत्री को ज्ञापन दिया जा चुका है।

छत से गिर रहा प्लास्टर, अतिरिक्त कक्ष में संचालित हो रही कक्षाएं

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पट्टूड़ी का भवन लंबे समय से जर्जर हालत में है। विद्यालय के कमरों की छत से प्लास्टर और सीमेंट के टुकड़े गिर रहे हैं। छत की सरिया तक दिखाई देने लगी है। इन दिनों बरसात में पानी रिसने से बच्चों और शिक्षकों के लिए परेशानी बढ़ गई है। खतरे को देखते हुए फिलहाल मुख्य कमरों में कक्षाएं बंद कर अतिरिक्त कक्ष में पढ़ाई कराई जा रही है।राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पट्टूड़ी में वर्तमान में 13 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। भवन की छत और कमरों की स्थिति खराब होने के कारण यहां पढ़ने वाले बच्चों के साथ शिक्षकों के लिए भी जोखिम बना हुआ है। छत से प्लास्टर के टुकड़े गिरने की स्थिति को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन को कक्षाएं दूसरे कमरे में संचालित करनी पड़ रही हैं।ग्राम प्रधान विजय शाह ने बताया कि विद्यालय भवन का निर्माण हुए कई वर्ष बीत चुके हैं। लंबे समय से मरम्मत नहीं होने के कारण छत और कमरों की हालत खराब हो गई है। छत से प्लास्टर और सीमेंट के टुकड़े गिरते रहते हैं। कई जगह सरिया दिखाई दे रही है। इन दिनों हो रही बरसात के दौरान छत से पानी रिसकर कमरों में पहुंच रहा है। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए मुख्य कमरों में कक्षाएं संचालित करना मुश्किल हो गया है। बताया विद्यालय भवन के नव निर्माण की मांग लंबे समय से शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से की जा रही है। इसके बावजूद अभी तक भवन निर्माण का काम शुरू नहीं हो पाया है।

यमकेश्वर के खेड़ा तल्ला में गुलदार ने बैल मारा

यमकेश्वर।यमकेश्वर विकासखंड में गुलदार और बाघ के हमले की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। खेड़ा तल्ला गांव में दिनदहाड़े गुलदार ने एक बैल को मार दिया।

बृहस्पतिवार दोपहर करीब 11 बजे खेड़ा गांव के रौड़ी गदेरे में सत्यप्रकाश के पशु चर रहे थे, तभी घात लगाए बैठे गुलदार ने हमलाकर बैल को मार दिया। लोगों ने शोर मचाया तो गुलदार मौके से भाग गया। जब तक लोग मौके पर पहुंचे, बैल मर चुका था। लालढांग रेंजर अनुराग जोशी ने बताया कि खेड़ा तल्ला गांव से गुलदार के हमले से बैल की मरने की सूचना पर वन आरक्षी को मौके पर भेजकर मुआवजे की प्रक्रिया की जा रही है।

मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी योजना में अनूप नेगी स्कूल के 15 छात्र चयनित

रुद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृत्ति योजना में अनूप नेगी मेमोरियल पब्लिक स्कूल गुलाबराय के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के 15 छात्र-छात्राओं का विभिन्न आयुवर्गों में चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों को सरकार की ओर से 1,500 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। चयनित खिलाड़ियों में नयन, अनिकेत, अक्षत्र, हंशिका रावत, अवनि किमोठी, विवेक, आकृति भंडारी, आकृति, अनिरुद्ध, परिधि, रियूषा पंवार, अदिति, वैभव, आयशा और चारु सती शामिल हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

भर्ती विज्ञप्ति – जूनियर रिसर्च फेलो (JRF)

वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु लैन्सडौन फॉरेस्ट डिवीजन, कोटद्वार एवं आसपास के क्षेत्रों में सहायता प्राप्त प्राकृतिक पुनर्जनन (ANR), निगरानी एवं मूल्यांकन तथा अन्य वानिकी गतिविधियों हेतु 01 जूनियर रिसर्च फेलो (JRF) की अस्थायी नियुक्ति की जानी है।

Position Name	Emoluments per month	Educational Qualification		Tenure
		Essential	Desirable	
Junior Research Fellow	Rs. 37000	Post Graduate (PG) Degree in Forestry/Botany/ Zoology/Life Science/Experimental Biology/ Environmental Science/ Biological Sciences/ Wildlife Science/Hydrology/Geology/ Allied Science/Remote Sensing & GIS, Geography, Surveying or similar discipline from recognized university with NET qualification or any other National level examinations conducted by Central Government Departments and their agencies and institutions as DST, DBT, DAE, DCS, DRDO, NHRD, ICMR, IIT, IISc, IISER etc.	Remote Sensing & GIS, Minimum of 01 year of working experience in field forestry works. (Work from Kotdwar)	06 Months

चयन प्रक्रियाः पात्र अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार (Interview) के माध्यम से किया जाएगा। साक्षात्कार की तिथि, समय एवं स्थान की सूचना पात्र अभ्यर्थियों को आवेदन/बायोडाटा की जांच के उपरांत दी जाएगी।

आवेदन की अंतिम तिथिः 10-09-2026

साक्षात्कार की तिथिः 11-09-2026

समयः 11:00 AM

स्थानः लैन्सडोन वन प्रभाग, कोटद्वार।

आवेदन भेजने का पता/ई-मेलः प्रभागीय वनाधिकारी, लैन्सडौन वन प्रभाग, कोटद्वार PIN- 246149
dfo_lansdowne@yahoo.com

अधिकृत अधिकारी/कार्यालय अध्यक्षः प्रभागीय वनाधिकारी, लैन्सडौन वन प्रभाग, कोटद्वार।

प्रभागीय वनाधिकारी,
लैन्सडौन वन प्रभाग, कोटद्वार

कार्यालय सहायक अभियन्ता सिंचाई उपखण्ड, चतुर्थ काण्डी गढ़वाल

पत्रांक- 273 / स0अ0च0/निविदा/टी-03/दुगड्डा दिनांक- 27/08/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या– 03/सअच/2026-27

उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से सहायक अभियन्ता चतुर्थ, सिंचाई खण्ड, दुगड्डा के द्वारा निम्नलिखित कार्यों की मुहर बन्द निविदा दिनांक 15-09-2026 अपराहन 5:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100/- के General Stamp Paper पर रू0 1.00/- का रसीदी टिकट लगाकर वैधता की शर्तों के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र दिनांक 29.08.2026 से दिनांक 15.09.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदायें दिनांक 16.09.2026 को अपरान्ह 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। अन्य शर्तें निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकती हैं। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकास खण्ड का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0 में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	विशेष मरम्मत मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में गुजराडी नहर की मरम्मत कार्य कार्य। (रीच 7.00 मी0 से 300 मी0)	यमकेश्वर	12000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
2	विशेष मरम्मत मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में गुजराडी नहर की मरम्मत कार्य कार्य। (रीच 307 मी0 से, 600 मी0)	यमकेश्वर	12000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
3	विशेष मरम्मत मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में गुजराडी नहर की मरम्मत कार्य कार्य। (रीच 607 मी0 से 900 मी0)	यमकेश्वर	12000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
4	विशेष मरम्मत मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में गुजराडी नहर की मरम्मत कार्य कार्य। (रीच 907 किमी0 से 1000 मी0)	यमकेश्वर	15000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर

नोटः– नियम व शर्तें कार्यालय नोटिस बोर्ड एवं कार्यालय समय में देखी एवं प्राप्त की जा सकती है।

सहायक अभियन्ता
सिंचाई उपखण्ड चतुर्थ

(0400/21)

संपादकीय

विधानसभा चुनाव: बदलते समीकरण

उत्तराखंड में राजनीतिक सूरत कुछ हद तक बदलती हुई नजर आने लगी है। स्थिति यह है कि बीजेपी की कई बड़े नेता चुनाव लड़ने के लिए अपनी सुरक्षित सीट तलाश रहे हैं। इसके ठीक विपरीत कांग्रेस अभी अपनी अंतर कल से ही जूझ रही है और अब तक यह सुनिश्चित नहीं हो पाया है कि आखिर किस चेहरे पर 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2022 केवल सत्ता परिवर्तन या सरकार गठन का चुनाव नहीं था, बल्कि यह राज्य की राजनीति में बदलते जनमत, क्षेत्रीय आकांक्षाओं और नेतृत्व की स्वीकार्यता की भी परीक्षा थी। राज्य गठन के बाद से उत्तराखंड में एक राजनीतिक परंपरा रही थी कि हर चुनाव में सत्ता बदल जाती थी, किंतु वर्ष 2022 में मतदाताओं ने इस परंपरा को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी को लगातार दूसरी बार शासन की जिम्मेदारी सौंपी। भाजपा ने 70 में से 47 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया, जबकि कांग्रेस 19 सीटों पर सिमट गई। चुनाव के दौरान सबसे बड़ा प्रश्न सत्ता विरोधी लहर का था। महंगाई, बेरोजगारी, पलायन और चारधाम परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा था। दूसरी ओर भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को चुनावी हथियार बनाया। परिणामों ने यह संकेत दिया कि मतदाताओं ने स्थानीय असंतोष के बावजूद राज्य और केंद्र के नेतृत्व पर भरोसा बनाए रखा। इस चुनाव का एक रोचक पहलू यह भी रहा कि भाजपा ने सरकार तो बना ली, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी खटीमा सीट हार गए। इसके बावजूद पार्टी ने उनके नेतृत्व पर विश्वास जताया और बाद में उपचुनाव के माध्यम से उन्हें विधानसभा पहुंचाया गया। यह घटना दर्शाती है कि चुनाव केवल व्यक्तिगत जीत–हार का नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक रणनीति का भी खेल होता है। अब भाजपा लहर के बीच कांग्रेस के लिए 2022 का चुनाव मिश्रित परिणाम लेकर आया। एक ओर पार्टी सत्ता में वापसी नहीं कर सकी, दूसरी ओर उसने 2017 की तुलना में अपनी सीटों और वोट प्रतिशत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की। इससे स्पष्ट हुआ कि विपक्ष पूरी तरह कमजोर नहीं हुआ है और उसने कई क्षेत्रों में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत की है। क्षेत्रीय दलों की बात करें तो अपेक्षित प्रभाव नहीं मिले। इससे यह संदेश मिला कि उत्तराखंड की राजनीति अभी भी मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस के बीच केंद्रित है। चुनाव परिणामों ने पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों के राजनीतिक व्यवहार में भी अंतर को उजागर किया। आज, 2027 के चुनाव की ओर बढ़ते हुए 2022 के परिणामों का महत्व और बढ़ जाता है। भाजपा के सामने अपने वादों को पूरा करने और जनविश्वास बनाए रखने की चुनौती है, जबकि कांग्रेस के सामने अपनी बढ़ी हुई राजनीतिक ताकत को जनसमर्थन में बदलने का अवसर है। रोजगार, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और पर्यावरण जैसे मुद्दे आने वाले वर्षों में राजनीतिक समीकरण तय करेंगे। बदलते सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों के बीच उत्तराखंड की जनता ही अंततः सत्ता की दिशा तय करती है, और यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। ऐसे मुद्दे जिन पर भाजपा लड़ती आई है वह अब सरकारी साबित नहीं हो रहे हैं खास तौर से भाजपा के आगे इस समय अगड़ी जाति के वोटो का संकट भी है। इन स्थिति में बीजेपी के लिए आसानी से उत्तराखंड में हैट्रिक लगाने की चुनौतियां आसान नहीं होगी।

नेपाल जलप्रलय को समझें प्रकृति की चेतावनी

डॉ. हिदायत अहमद खान

नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा ने भारत को भी झकझोर कर रख दिया है। इस आपदा में जहां 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीयों समेत हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। इस विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर पूरी भयावहता के साथ रेखांकित कर दिया है। तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने देखते ही देखते बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को निगल लिया। यह आपदा उस खतरे की गंभीर चेतावनी को दशार्ता है जो हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते पर्यावरण, बढ़ती मानवीय गतिविधियां और अपर्याप्त आपदा तैयारी के कारण बढ़ रहा है। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि बड़ी संख्या में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के पर्यटकों तक, अनेक परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी सकुशल होंगे और बहुत जल्द अपने-अपने घरों को लौअ आएंगे। संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता लोगों का पता लगाना और भी कठिन हो गया है। संकट की इस घड़ी में सीमापार आपदा के लिए पहले से तैयार एक साझा तंत्र की जरूरत महसूस हो रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकंप के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि यह आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयी पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लंबे समय से दुनियां के तमाम शक्तिशाली देशों को चेताते चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसी आपदाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं विकास की आवश्यकता हैं, लेकिन विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा के बीच संतुलन न हो तो यही ढांचा आपदा के समय जोखिम बढ़ा सकता है। नेपाल में नौ बैंक शाखाओं के बह जाने और बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी बताती है कि आपदा का प्रभाव केवल आम आबादी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा भी इसकी चपेट में आता है।

भारत के लिए भी यह घटना महज पड़ोसी देश की त्रासदी नहीं है। नेपाल की नदियां भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक और अन्य नदी प्रणालियों का हिस्सा बनती हैं। इस बार नेपाल से आया तेज बहाव बिहार तक पहुंचा और वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर दबाव बढ़ा। बराज के सभी 36 गेट खोले गए। राहत की बात यह रही कि नारायणी नदी के विस्तृत बहाव क्षेत्र में पानी फैलने से बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया। लेकिन इस राहत को स्थायी सुरक्षा समझना भूल होगी। दरअसल, नेपाल और भारत के बीच नदियां सीमाओं को नहीं मानतीं। इसलिए बाढ़, भूस्खलन, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दोनों देशों को रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। यदि किसी नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक जलस्तर बढ़ता है, तो निचले इलाकों को समय रहते चेतावनी मिलनी चाहिए। चेतावनी और राहत के बीच जितना अधिक समय मिलेगा, उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं। इस आपदा ने संचार व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर किया है। पहाड़ी इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और बिजली व्यवस्था के ठप होने के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह बन जाती है कि किसे बचाया जाए और कहां लोग फंसे हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की योजनाओं में वैकल्पिक संचार व्यवस्था, स्थानीय बचाव दल, सामुदायिक प्रशिक्षण और आपातकालीन आश्रय स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने नेपाल के साथ एकजुटता दिखाई है और राहत सामग्री भेजी है। यह मानवीय सहयोग दोनों देशों के संबंधों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मगर असली परीक्षा आपदा समाप्त होने के बाद शुरू होती है। पुनर्वास, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण और भविष्य के जोखिम को कम करना कहीं अधिक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। नेपाल का जलप्रलय हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का क्षेत्र नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है। विकास जरूरी है, पर्यटन जरूरी है और ऊर्जा परियोजनाएं भी जरूरी हैं, लेकिन इनके लिए प्रकृति की सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुल, सड़क और परियोजना के साथ यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आपदा की स्थिति में उसका जोखिम कितना है। प्रकृति को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

योगेश कुमार गोयल

रिश्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन...

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मयार्दा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में ह्यगुरु महापूर्णिमाह्न, दक्षिण भारत में ह्यनारियल पूर्णिमाह्न तथा नेपाल में इसे ह्यजनेऊ पूर्णिमाह्न के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़ भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है।

इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निदेर्शों पर नहीं चलती।

भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में। इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा।

मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।

बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में बड़ा हादसा- इस्लामाबाद के शीर्ष अस्पताल पीआईएमएस में लगी आग, 15 नवजातों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बुधवार को एक सरकारी अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में आग लगी। इसके कारण 15 नवजात शिशुओं की मौत हो गई। यह जानकारी डॉनकी रिपोर्ट के अनुसार है। यह घटना राजधानी के सबसे बड़े और अच्छी सुविधाओं वाले सरकारी अस्पताल, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। जियो न्यूज ने बताया कि आग लगने की घटना में 15 बच्चों की मौत हो गई। हालांकि, हताहतों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पीआईएमएस की प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने डॉनअखबार को बताया कि जिस वार्ड में आग लगी, वहां 15 बच्चे थे। उन्होंने कहा, हो सकता है कि रात में कुछ बच्चों को छुट्टी दे दी गई हो, इसलिए अभी हताहतों की सही संख्या नहीं बताई जा सकती। घटना के कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी मालूम होती है। उन्होंने बताया कि आग सुबह करीब 7 बजे लगी थी। उन्होंने कहा कि आग बुझा दी गई है, लेकिन कूलिंग प्रोसेस में कुछ समय लगेगा। वहीं, रेस्क्यू अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल की नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर का कंप्रेसर फटने के बाद की वजह से आग लगी। इसके बाद आग तेजी से फैल गई और वार्ड में धुआं भर गया। घटना की वजह और जांच के लिए जिला प्रशासन ने अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित की है। प्रशासन के अनुसार, समिति आग लगने के असली कारण का पता लगाएगी और यह भी जांच करेगी कि घटना किन परिस्थितियों में हुई। इसके साथ ही कई अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति ने दी बधाई- जेलेंस्की हुए खुश, भारत का आभार जताते हुए क्या बोले

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के 35वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूक्रेन लोगों को बधाई संदेश भेजा। इस संदेश के जवाब में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति मुर्मू और भारत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'भारत की राष्ट्रपति से यूक्रेन के लोगों के लिए बधाई संदेश मिला। मुझे बहुत खुशी हुई। शांति की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। रूस के युद्ध का सम्मानजनक अंत लाखों यूक्रेनवासियों का सबसे प्रिय सपना है, क्योंकि हम अपनी स्वतंत्रता की बहाली की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह अहम है कि पूरा विश्व मिलकर इस दिशा में रास्ता बनाने में मदद करे। मैं भारत के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संवाद को आगे बढ़ाने के लिए यूक्रेन की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता हूं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में शनिवार को फिर बड़े हमले हुए। यूक्रेन में रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हुई, जबकि रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की जान चली गई। ये हमले एक दिन बाद हुए हैं, जब रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन के एक शॉपिंग सेंटर में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई थी।

होर्मुज पर ईरान-ओमान की बातचीत: दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात; क्या जहाजों की आवाजाही पर बनी सहमति

दुबई, एजेंसी। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने मंगलवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। यह मुलाकात तेहरान में हुई। दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को संभालने की व्यवस्था पर बात की। इसके लिए एक ढांचा तैयार करने पर चर्चा हुई। ईरान और ओमान इस संकरे जलडमरूमध्य के दो अलग-अलग किनारों पर स्थित हैं। दोनों देशों ने एक साझा बयान जारी किया। बयान में प्रस्तावित व्यवस्था की जानकारी दी गई। इसमें संयुक्त अस्थायी नौवहन गलियाराबनाने की बात है। इसके साथ ही दोनों देश जलमार्ग से बारूदी सुरंगें हटाने के लिए मिलकर काम करेंगे। बयान में कहा गया कि ईरान और ओमान स्थायी जहाज मार्ग बनाने के लिए तकनीकी वार्ता जारी रखेंगे। जलडमरूमध्य का भविष्य में प्रशासन कैसे होगा, इस पर भी दोनों देश एक समझौता करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इससे पहले दुनिया में व्यापार होने वाले कुल तेल का करीब पांचवां हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता था। यह अभी साफ नहीं है कि अमेरिका इस उभरते हुए समझौते को स्वीकार करेगा या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह ओमान को धमकी दी थी।

युद्ध बढ़ेगा तो भूख भी: भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को चेताया- संघर्ष रोकें, वरना बढ़ेगा खाद्य संकट

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से संघर्षों के कारण पैदा होने वाले मानवीय संकट को कम करने को अपनी पहली प्राथमिकता बनाने की अपील की है। भारत ने चेताया कि ऊर्जा, उर्वरक, समुद्री परिवहन और कृषि व्यापार में रुकावटें वैश्विक खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रही हैं, जिसका सबसे ज्यादा असर आयात पर निर्भर विकासशील देशों पर पड़ रहा है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यूक्रेन, होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से जुड़ी परिस्थितियों को खाद्य आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सुरक्षित समुद्री कॉरिडोर और जहाजों के सत्यापन की व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है।

संघर्षों का असर अब युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं : भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार को कहा कि आजकल के संघर्षों का असर केवल लड़ाई वाली जगहों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दूर-दूर तक फैलता है। ऊर्जा बाजार, उर्वरक की आपूर्ति, समुद्री परिवहन, मानवीय सहायता पहुंचाने की व्यवस्था और कृषि व्यापार में रुकावटों ने दिखाया है कि क्षेत्रीय संघर्ष किस तरह दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं।

विकासशील देशों पर सबसे ज्यादा पड़ रहा असर : सुरक्षा परिषद में फूड अंडर फायर- ग्लोबल और लोकल फूड संकट को कम करने में सुरक्षा परिषद की भूमिका विषय पर हुई खुली बहस में पी. हरीश

ने कहा कि जो विकासशील देश खाद्य आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं, उन्हें इन रुकावटों का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ता है। परिषद की पहली प्राथमिकता संघर्ष से होने वाले मानवीय संकट को कम करना होना चाहिए। इसके लिए सुरक्षित, तेज और बिना किसी रुकावट के मानवीय सहायता पहुंचाने की सुविधा देनी होगी और संघर्ष-रोधी इंतजामों में मदद करनी होगी।

प्रतिबंधों से मानवीय सहायता बाधित न हो : पी. हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके उठाए गए कदम, जैसे प्रतिबंध, अनजाने में मानवीय सहायता या वैध खाद्य और कृषि व्यापार में रुकावट न डालें। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मजबूत और खाद्य-सुरक्षित समाज का निर्माण मुख्य रूप से राष्ट्रीय सरकारों की जिम्मेदारी है। इसमें संयुक्त राष्ट्र का विकास तंत्र और रोम स्थित एजेंसियां सहायता करती हैं, न कि सुरक्षा परिषद।

भारत ने अपनी खाद्य सुरक्षा योजनाओं का किया जिक्र : हरीश ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की ओर से किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों के जरिए भारत न केवल अपनी खाद्य सुरक्षा मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी योगदान देने वाला देश बन रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून सब्सिडी वाले अनाज का कानूनी अधिकार देता है। वहीं, कार्यक्रम के तहत 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को सीधे लाभ पहुंचाने से छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक मजबूती बढ़ी है।

मिलेट्स से लेकर जलवायु-अनुकूल खेती तक भारत का जोर : हरीश ने कहा कि 2023 में भारत की ओर से 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' यानी 'अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' को बढ़ावा दिए जाने से जलवायु-अनुकूल और पोषक तत्वों से भरपूर फसलों की ओर दुनिया का ध्यान गया। उन्होंने इसे विविध और टिकाऊ खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और जलवायु-अनुकूल खेती के तरीकों से भारत न केवल खाद्य-सुरक्षित बना हुआ है, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्ति में भी अहम योगदान दे रहा है।

होर्मुज, काला सागर और लाल सागर का हरीश ने नहीं लिया नाम : हरीश ने वाणिज्यिक जहाजरानी और समुद्री व्यापार मार्गों में रुकावटों से खाद्य सुरक्षा पर मंडरा रहे खतरों का व्यापक रूप से जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य, काला सागर और लाल सागर में जारी तीन संघर्षों का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले इन तीनों संघर्षों का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध का असर काला सागर के जरिए होने वाले अनाज और ऊर्जा के निर्यात पर पड़ रहा है, जो यूक्रेन और रूस दोनों से होता है।

होर्मुज में उर्वरक और तेल आपूर्ति पर संकट : गुटेरेस ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की तेल आपूर्ति के करीब पांचवें हिस्से और उर्वरक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से को संभालता है। वहां लगे प्रतिबंधों और मार्गों के बंद होने से कीमतें बढ़ गई हैं और उपलब्धता बहुत कम हो गई है। लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों से भोजन और अन्य सामानों की आपूर्ति श्रृंखला के लिए और खतरा पैदा हो रहा है। गुटेरेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने एक सुरक्षित कॉरिडोर के जरिए होर्मुज से उर्वरक और अनाज की आवाजाही सुनिश्चित करने के व्यावहारिक तरीके सुझाए हैं।

मंजूरी में मिलेगी छूट-सेमीकंडक्टर फैक्टरी लगाना होगा आसान, जापान दौरे पर पीयूष गोयल की बड़ी घोषणाएं क्या

टोक्यो, एजेंसी। जापानी कंपनियों के लिए भारत में सेमीकंडक्टर जैसे हाईटेक कारखाने लगाना अब पहले से आसान होने जा रहा है। विदेश से मंगाई जाने वाली खास मशीनों और उपकरणों के लिए जहां बीआईएस मानक लागू हैं, वहां प्रमाणन में लगने वाला समय घटाने के लिए सरकार नया ढांचा तैयार कर रही है। इसके तहत उद्योग, कंपनी, उत्पाद या किसी खास परियोजना के स्तर पर छूट देने का विकल्प रखा जाएगा। यह एलान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने टोक्यो में जापानी उद्योगपतियों के सामने किया। उन्होंने बताया कि बीआईएस और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को इस पर काम शुरू करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं। वक्त बचा तो पैसा बचा असल फायदा वक्त का है और वक्त का सीधा मतलब पैसा है। सेमीकंडक्टर का एक कारखाना अरबों डॉलर का होता है और उसमें लगने वाली मशीनें एक तय क्रम में आती हैं। एक जरूरी मशीन की मंजूरी या आपूर्ति अटकती है तो पूरी श्रृंखला प्रभावित हो सकती है और कारखाना शुरू होने की तारीख आगे खिसक सकती है। कारखाना समय पर चालू हुआ तो निर्माण के दौर की नौकरियों से लेकर संयंत्र चलाने वाले इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों तक रोजगार के अवसर भी जल्दी बनेंगे। सबसे अहम, भारत में चिप का घरेलू उत्पादन बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करने में मदद मिलेगी। 150 अरब डॉलर की

मांग इसलिए जापान अहम भारत में सेमीकंडक्टर की मांग 2032 तक बढ़कर करीब 150 अरब डॉलर होने का अनुमान है। यानी आने वाले वर्षों में दुनिया के बड़े सेमीकंडक्टर बाजारों में भी शामिल होने जा रहा है। यही वजह है कि सरकार जापान को सिर्फ निवेशक ही नहीं, बल्कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला के साझेदार के तौर पर देख रही है। इससे भारत की कारोबारी साख बनेगी।साथ ही सबसे बड़ा फायदा यह है कि प्रस्तावित छूट केवल तैयार उत्पादों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि भारत में सेमीकंडक्टर मशीनरी, उपकरण, सामग्री और दूसरे जरूरी कलपुर्जों को विकसित करने की संभावना बढ़ेगी। सरकार सेमीकंडक्टर विनिर्माण में बड़े निवेश के लिए सेमीकॉन 1.0 और सेमीकॉन 2.0 के जरिए प्रोत्साहन दे रही है। सेमीकॉन 1.0 के तहत अब तक 12 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी मिली है और इनमें कुल 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है।

भारत-कनाडा संबंध, सीतारमण टोरंटो पहुंचीं, पहले आर्थिक-वित्तीय संवाद में किन मुद्दों पर होगी चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को टोरंटो पहुंचीं। वह चार दिन के दौरे पर हैं। इस दौरान वह पहली भारत-कनाडा आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी। इसके बाद वह अमेरिका जाएंगी। वहां जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगी। टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी ने उनका स्वागत किया। सीतारमण कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैंपेन के साथ पहली आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी।

किन मुद्दों पर होगी बात : एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संवाद में दोनों देश कई अहम मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे। इनमें बड़ी आर्थिक स्थिति से जुड़े बदलाव शामिल हैं। वित्तीय क्षेत्र में सहयोग भी इसमें शामिल है। दोनों देशों के बीच निवेश के अवसरों पर भी चर्चा में होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा प्राथमिकताओं पर भी बात होगी।

इस संवाद का एक और मकसद भारत और कनाडा के बीच नए सिरे से मजबूत हो रही आर्थिक और वित्तीय साझेदारी को और मजबूत करना है। सीतारमण बड़े कारोबारों के प्रमुखों के साथ निवेश को लेकर एक बैठक में भी हिस्सा लेंगी। इसमें ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों के प्रमुख लोग शामिल होंगे। बैठक में कारोबार से कारोबार के बीच संबंध बढ़ाने की कोशिश होगी। निवेश के नए मौके तलाशे जाएंगे। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय की कारोबारी साझेदारी को बढ़ावा देने पर भी बात होगी। इसमें गिफ्ट सिटी-आईएफएससी में निवेश के मौके भी शामिल हैं। एक दूसरी व्यापारिक बैठक में सीतारमण कनाडा के बड़े कारोबारियों से बात करेंगी। इसमें भारत और कनाडा के बीच सहयोग के मौकों पर चर्चा होगी। लंबे समय के निवेश पर भी बात होगी। वित्तीय क्षेत्र की बढ़त पर भी चर्चा होगी। भारतीय सरकारी क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी इन चर्चाओं में हिस्सा लेंगे। इससे वित्तीय क्षेत्र में दोनों देशों के बीच ज्यादा सहयोग के रास्ते तलाशने का मौका मिलेगा।

कैरिबियाई सागर में अमेरिका ने एक और नाव को बनाया निशाना, चार की मौत, ट्रंप के ड्रग्स अभियान पर क्यों उठे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कैरिबियाई सागर में ड्रग्स की तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही एक संदिग्ध नाव हमला किया, जिसमें चार लोग मारे गए। यह घटना लैटिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ ट्रंप प्रशासन के महीनों से चल रहे अभियान के दौरान हुई है। इस ताजा हमले के साथ ही अमेरिकी सेना के नावों पर किए गए हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 227 हो गई है। ये हमले 68 बार किए गए हैं और इनकी शुरुआत तब हुई थी जब ट्रंप प्रशासन ने लगभग एक साल पहले उन लोगों को निशाना बनाना शुरू किया, जिन्हें वे %नार्को-टेररिस्ट(नशीले पदार्थों के तस्कर और आतंकवादी) कहते हैं।

सेना ने क्या कहा : पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरिबियाई सागर में हमलों के बारे में सेना के ज्यादातर

बयानों की तरह ही,अमेरिकी सदर्न कमांड ने कहा कि उसने तस्करी के जाने-पहचाने रास्तों पर कथित ड्रग तस्करों को निशाना बनाया। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया कि नाव से ड्रग्स की तस्करी हो रही थी। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में एक चलती हुई नाव जैसी चीज की तस्वीर दिखी, जिसके बाद एक चमक (फ्लैश) दिखाई दी।

इससे पहले कब हुआ था हमला : मंगलवार को हुआ यह हमला, पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सेना की ओर से एक नाव पर किए गए हमले के ठीक दो दिन बाद हुआ, जिसमें ड्रग्स की तस्करी के आरोपी दो लोग मारे गए थे। यह कार्रवाई कथित तस्करों के खिलाफ अमेरिकी अभियान में दो महीने से के ज्यादा अंतराल के बाद की गई थी। ट्रंप प्रशासन कई लैटिन अमेरिकी देशों में जमीन पर भी अपना हमलावर अभियान चलाने के लिए सहयोगी देशों के साथ समझौते करने की कोशिश कर रहा है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस महीने पनामा की यात्रा की। इस दौरान कहा कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास इस बात पर सहमत हो गए हैं कि अमेरिका उनकी जमीन पर आपराधिक समूहों के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान चला सके। ग्वाटेमाला ने ऐसे किसी समझौते पर पहुंचने से इनकार किया। इक्काडोर ने मार्च में अमेरिका के साथ इसी तरह के मिशन शुरू किए थे। आलोचकों ने नावों पर किए गए हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर सवाल उठाए हैं, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि कई जानलेवा ओवरडोज के लिए जिम्मेदार फेंटानिल की तस्करी आमतौर पर मेक्सिको से जमीन के रास्ते अमेरिका में की जाती है।

न्यूयार्क में तिलक से स्वागत-मैडिसन स्क्वायर गार्डन में संबोधन; मोहन भागवत के तीन देशों के दौरे पर टिकी नजरें

अल्बानी, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके तीन देशों अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के ग्लोबल आउटरीच दौरे का पहला चरण है। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर हो रहे इस दौरे के दौरान भागवत भारतीय समुदाय के लोगों के साथ-साथ स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। न्यूयॉर्क पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होगा बड़ा आयोजन : मोहन भागवत शनिवार को न्यूयॉर्क शहर के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल

वननेस सेलिब्रेशन्स' यानी 'सार्वभौमिक एकता समारोह' को संबोधित करेंगे। यह एक बड़े और विविध समुदाय की भागीदारी वाला कार्यक्रम होगा, जिसका आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज् फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' फोरम की ओर से किया जा रहा है। भागवत के इस संबोधन को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी देखी जा रही है। यह आयोजन एकता, नागरिक कर्तव्य और वैश्विक सद्भाव जैसे आधुनिक विचारों के साथ हिंदू त्योहार रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को जोड़ते हुए मनाया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि भी होंगे शामिल : आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में दिन की थीम के अनुरूप विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा अलग-अलग धर्मों के प्रमुख वक्ता भी समारोह में शामिल होंगे और एकता तथा वैश्विक सद्भाव का संदेश देंगे।

25 अगस्त से शुरू हुआ तीन देशों का दौरा : इससे पहले के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा इन देशों में सक्रिय स्थानीय संघ इकाइयों और विभिन्न संगठनों के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है।

आतंकी पन्नू को फिर मिली जान से मारने की धमकी, एफबीआई और कनाडाई पुलिस ने किया सतर्क, यात्रा को लेकर कही यह बात

अल्बानी, एजेंसी। एक खालिस्तानी आतंकी ने मंगलवार को कहा कि एफबीआई और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी है कि उनके जान को खतरा है। वहीं,भारत के एक व्यक्ति को 2023 में उनके खिलाफ हत्या की साजिश रचने के लिए इस साल के अंत में सजा सुनाई जाएगी।

एफबीआई एजेंट ने क्या चेतावनी दी है : सिख्स फॉर जस्टिस के जनरल काउंसल गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि पिछले गुरुवार को उनसे मिलने आए एफबीआई एजेंटों ने उन्हें चेतावनी दी थी कि जब तक खतरा टल नहीं जाता, तब तक उन्हें यात्रा नहीं करनी चाहिए। वहीं, अगर वे यात्रा करते हैं, तो उन्हें अपनी योजनाओं के बारे में एजेंसी को पहले से बताना होगा।

उन्होंने बताया कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने मंगलवार को उन्हें फोन पर चेतावनी दी थी, हालांकि किसी भी कानून लागू करने वाली एजेंसी ने उस साजिश के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जिसका पता चला था। दोनों एजेंसियों से टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेशों का तुरंत कोई जवाब नहीं मिला।

क्या है ड्यूटी टू वॉर्न : पन्नू, जो एक अमेरिकी और कैनेडियन नागरिक है। उसने कहा कि उन्हें अमेरिका के 'ड्यूटी टू वॉर्न'(चेतावनी देने का कर्तव्य) कानून के तहत चेतावनी दी गई। यह कानून अमेरिकी खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को निर्देश देता है कि जब उन्हें हत्या, गंभीर शारीरिक नुकसान या अपहरण के विश्वसनीय और ठोस खतरों का पता चले, ते वे संबंधित व्यक्तियों को इसकी सूचना दें। यह नई धमकी ऐसे समय में आई है जब भारत के निखिल गुप्ता, जिन्होंने फरवरी में साजिश के आरोपों में अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उसे 2023 में पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में 20 नवंबर को सजा होनी है।

निखिल गुप्ता को क्या सजा मिल सकती है : एफबीआई ने कहा है कि गुप्ता को हत्या करने का निर्देश भारत सरकार के एक कर्मचारी ने दिया था। जब गुप्ता ने कोशिश की, तो अनजाने में उसने एक अंडरकवर लॉ एनफोर्समेंट ऑफिसर से बात की जो एक हिटमैन(किराये का हत्यारा) बनकर बात कर रहा था। फेडरल सजा के नियमों के अनुसार, गुप्ता को कम से कम 20 साल जेल में बिताने पड़ सकते हैं।

पन्नू, जो एक अलग सिख देश बनाने की वकालत करते हैं। उन्होंने मंगलवार को एक फोन इंटरव्यू में कहा मुझे उनकी जान से मारने की धमकियों से डर नहीं लगता। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का प्रशासन अमेरिका और कनाडा की संप्रभुता के लिए खतरों को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करेगा। पन्नू ने खुद को एक सिख मानवाधिकार वकील बताया है जो पंजाब को ऐसी जगह बनाने के लिए अभियान चला रहे हैं जहां सभी धर्मों को समान अधिकार हों।

स्टार्टअप से यूनिकॉर्न तक- टोक्यो में पीयूष गोयल ने गिनाई भारत की कामयाबी, बोले- युवा अब नौकरी ले नहीं, दे रहे

एदो, एजेंसी। जापान के टोक्यो में स्टार्टअप्स के साथ एक राउंडटेबल बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को शुरू हुए अब 10 साल हो चुके हैं और इस दौरान देश में स्टार्टअप्स की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। दस साल पहले जहां इनकी संख्या महज 400-500 के आसपास थी, वहीं आज यह आंकड़ा करीब 2,50,000 तक पहुंच गया है। भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न हैं और करीब आधे नए स्टार्टअप छोटे शहरों से सामने आ रहे हैं। गोयल ने भारत से जापान पहुंचे 200 से अधिक कारोबारियों के प्रतिनिधिमंडल को भी दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों के लिए अहम बताया।

युवाओं की सोच में आया बड़ा बदलाव : गोयल ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा इसके साथ ही युवाओं की सोच में भी बड़ा बदलाव आया है। आज भारत का युवा सिर्फ नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है। वह इनोवेटर है, विचारक है और नए विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। वह असफलता से घबराने के बजाय उसे सफलता की सीढ़ी बनाने के लिए तैयार है। वह असफल होने के बाद फिर उठकर बेहतर अवसर की तलाश करने का हौसला रखता है और जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हटता। युवा अच्छे करियर और मोटी सैलरी का जोखिम उठाकर अपना उद्यम शुरू करने के लिए तैयार हैं और इनमें से कई कामयाबी की नई मिसाल बनकर उभरे हैं। गोयल ने कहा कि भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न और कई सौ 'सूनिकॉर्न' हैं। ये युवा अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ अलग तरीके से सोचने और नए रास्ते तलाशने की क्षमता से भी देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

छोटे शहरों से निकल रहे हैं नए स्टार्टअप : पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और आज उद्यमिता केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि भारत में शुरू

होने वाले नए स्टार्टअप्स में करीब आधे छोटे शहरों से आ रहे हैं। यह बदलाव देश के बदलते कारोबारी माहौल और युवाओं में बढ़ती उद्यमशीलता को दर्शाता है। गोयल ने कहा कि छोटे शहरों से आने वाले इन उद्यमियों पर भारत को गर्व है।

'शार्क टैंक' की तर्ज पर होगी स्टार्टअप प्रस्तुति श्रृंखला : गोयल ने भारत और जापान के बीच स्टार्टअप्स के लिए लोकप्रिय कार्यक्रम 'शार्क टैंक' की तर्ज पर एक विशेष प्रस्तुति श्रृंखला शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य दोनों देशों के युवा स्टार्टअप्स को निवेशकों और संभावित कारोबारी साझेदारों से जोड़ना है। टोक्यो में स्टार्टअप्स को लेकर आयोजित एक गोलमेज बैठक में गोयल ने कहा कि डिजिटल संपर्क का लाभ उठाते हुए इन प्रस्तुतियों का आयोजन ऑनलाइन भी किया जा सकता है, जिससे भारतीय और जापानी स्टार्टअप्स के बीच बातचीत और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। पीयूष गोयल ने कहा, भारत और जापान मिलकर 'शार्क टैंक' जैसी एक प्रस्तुति श्रृंखला विकसित कर सकते हैं, जिससे युवा स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मौका मिलेगा।भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेशकों के सामने अपने विचार और कारोबारी योजनाएं रख सकते हैं, जबकि जापानी स्टार्टअप्स भारत में अपने लिए साझेदार और कारोबारी अवसर तलाश सकते हैं।

ऑनलाइन बैठकों से बढ़ेगा दोनों देशों के स्टार्टअप्स का संपर्क : गोयल ने कहा कि आज इंटरनेट और वीडियो बैठक जैसे माध्यमों के जरिए दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है। ऐसे में भारत और जापान के स्टार्टअप्स के बीच लगातार प्रस्तुति सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। इंटरनेट और वीडियो बैठकों के जरिए दुनिया के इस वैश्विक जुड़ाव के दौर में हम अधिक से अधिक प्रस्तुति सत्र आयोजित कर सकते हैं, जहां भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेश के लिए अपने विचार पेश करें और जापानी स्टार्टअप्स भारत में साझेदार तलाशें। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि इस पहल का मकसद केवल स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मंच देना नहीं, बल्कि शुरुआती प्रस्तुतियों को वास्तविक कारोबारी सहयोग में बदलना है। उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर अधिक कारोबारी संपर्क विकसित करें और प्रस्तुतियों से आगे बढ़कर प्रायोगिक परियोजनाओं, निवेश और बड़े स्तर पर विस्तार की दिशा में आगे बढ़ें। पीयूष गोयल ने जापान की कंपनियों और स्टार्टअप्स को भारत के साथ मिलकर काम करने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग से व्यापक स्तर पर समृद्धि और नए अवसर पैदा होंगे।

रक्षाबंधन पर पंचक और भद्रा का साया?

इस साल रक्षाबंधन के पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा। हर साल रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए भद्रा का विचार किया जाता है। भद्रा रहित काल में ही बहने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं लेकिन, क्या आप जानते हैं इस साल रक्षाबंधन पर पंचक का साया है।

पंचक 27 अगस्त को ही दोपहर 1 बजकर 36 मिनट पर लग जाएगा। 28 तारीख को रक्षाबंधन है और पंचक पूरे पांच दिन रहता है। पंचक 1 सितंबर को सुबह 3 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगा। 27 अगस्त को भद्रा पूर्णिमा तिथि आरंभ होने के साथ ही लग जाएगी। रात में 9 बजकर 29 मिनट तक भद्राकाल रहेगा। इसलिए रक्षाबंधन 27 की बजाय 28 अगस्त को मनाया जाएगा। 28 को सूर्योदय के साथ पूर्णिमा तिथि 9 बजकर 49 मिनट तक ही है जो भद्रा मुक्त है।

पंचक में राखी बांधना शुभ या अशुभ

पंचक में कोई भी शुभ कार्य आदि नहीं किया जाता है लेकिन, इस समय पूजा पाठ और धार्मिक कार्य आदि करने की कोई मनाही नहीं होती है। पंचक में पूजा पाठ, जप-तप आदि सभी कार्य किए जाते हैं। इस बार पंचक का आरंभ गुरुवार से हो रहा है। गुरुवार से जो पंचक आरंभ होता है उसे सामान्य माना जाता है। इसमें शुभ काम किए जा सकते हैं इसका प्रतिकूल प्रभाव नहीं होता। रक्षाबंधन के दिन शतभिषा नक्षत्र रहेगा। इसलिए इस दिन राखी बांधने को कोई दोष नहीं लगेगा। रक्षाबंधन शतभिषा नक्षत्र में होगा। इसलिए आप बेफिक्र होकर राखी बांध सकते हैं।

रक्षाबंधन पर ग्रहण

इस साल का अंतिम चंद्रग्रहण 28 अगस्त को लगने जा रहा है। यह इस साल का अंतिम चंद्रग्रहण होगा । तो ऐसे में सवाल यह है क्यों चंद्रग्रहण के दिन आप राखी बांध सकते हैं क्योंकि, चंद्रग्रहण का सूतक काल ग्रहण आरंभ होने से 9 घंटे पहले लग जाता है। लेकिन, यह चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा इसलिए इसका सूतक भी मान्य नहीं होगा। इसलिए रक्षाबंधन का पर्व आप बिना किसी के चिंता का मना सकते हैं।

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त और चंद्र ग्रहण का सच

28 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन पर चंद्र ग्रहण का साया जरूर है, लेकिन भारत में यह दिखाई नहीं देगा। शास्त्रों के अनुसार, जहां ग्रहण दिखाई न दे, वहां सूतक काल मान्य नहीं होता। इसलिए भारत में ग्रहण का कोई अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा और बहनें बिना किसी संशय के पूरे दिन रक्षासूत्र बांध सकती हैं। इस दिन भद्रा काल भी नहीं रहेगा

कैसे शुरू हुई राखी बांधने के परंपरा और क्या है नियम

देशभर में 28 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाएगा और इस दिन बहनें भाइयों के हाथ पर राखी बांधती हैं और ऊज्जवल भविष्य की कामना करती हैं। वहीं भाई बहनों को रक्षा करने का वचन और गिफ्ट देते हैं।

28 अगस्त को रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार है। यह पर्व हर वर्ष श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। रक्षाबंधन के त्योहार को भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सदभाव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई की आरती उतारते हुए जीवन में सुख-समृद्धि और लंबी आयु की मंगल कामना करती हैं, जिसके बदले में भाई अपनी बहन को भेंट देता है और आजीवन उसकी रक्षा का वचन भी देता है। शास्त्रों में रक्षाबंधन पर अच्छे मुहूर्त और भद्रारहित काल में भाई की कलाई में रक्षासूत्र बांधना शुभ होता है। रक्षाबंधन का पावन पर्व इस बार पूर्ण शुभता और विशेष संयोगों के साथ 28 अगस्त को मनाया जाएगा।

राखी बांधने की विधि

भाई की सुख-समृद्धि और जीवन की मंगलकामना के लिए हर वर्ष बहनें श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षा बंधन का त्योहार मनाती है। रक्षाबंधन के दिन बहनें सुबह से ही तैयारी में लग जाती हैं। रक्षाबंधन के दिन रंगोली से घर को सजाएं। पूजा के लिए एक थाली में स्वास्तिक बनाकर उसमें चंदन, रोली, अक्षत, राखी, मिठाई, और फूल के साथ एक घी का दीया रखें। दीपक प्रज्वलित कर सबसे पहले अपने ईष्टदेव को तिलक लगाकर राखी बांधें और आरती उतारकर मिठाई का भोग लगाएं। फिर भाई को पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठाएं। इसके बाद उनके सिर पर रुमाल या कोई वस्त्र रखें। अब भाई के माथे पर रोली-चंदन और अक्षत का तिलक लगाकर उसके हाथ में नारियल दें। इसके बाद येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल- तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल- इस मंत्र को बोलते हुए भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधें। भाई की आरती उतारकर मिठाई खिलाएं और उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य के लिए भगवान से प्रार्थना करें।

ऐसे शुरू हुई राखी बांधने की परंपरा

पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में राक्षस राज बलि से तीन पग में उनका सारा राज्य मांग लिया था और उन्हें पाताल लोक में निवास करने को कहा था। तब राजा बलि ने भगवान विष्णु को अपने मेहमान के रूप में पाताल लोक चलने को कहा। जिसे विष्णुजी मना नहीं कर सके। लेकिन जब लंबे समय तक श्री हरि अपने धाम नहीं लौटे तो लक्ष्मीजी को चिंता होने लगी। तब नारद मुनि ने उन्हें राजा बलि को अपना भाई बनाने की सलाह दी। अपने पति को वापस लाने के लिए माता लक्ष्मी गरीब स्त्री का रूप धारण कर राजा बलि के पास पहुंच गईं और उन्हें अपना भाई बनाकर राखी बांध दी। इसके बदले उन्होंने भगवान विष्णु को पाताल लोक से ले जाने का वचन मांग लिया। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा थी और माना जाता है कि तभी से रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाने लगा है।

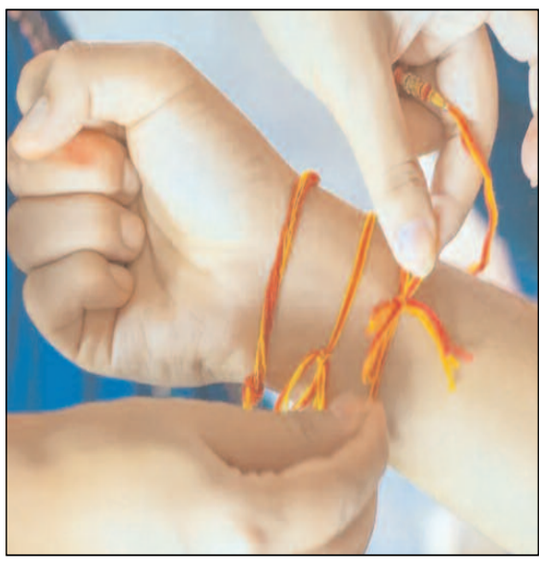

सावन माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। ऐसे में रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। भाई-बहन के प्रेम वाले इस त्योहार में कई तरह के नियमों का ध्यान रखा जाना भी जरूरी है। इससे व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं राखी से जुड़े कुछ नियम।

रक्षाबंधन हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। इस विशेष दिन पर बहनें मंगल कामना के साथ अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। राखी बांधने के साथ-साथ राखी को उतारने के भी कई नियम हैं, जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि राखी कब और कैसे उतारनी चाहिए। रक्षा बंधन पर राखी बांधने का सबसे सही समय अपराह्न के दौरान माना जाता है।

भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता को दर्शाता है रक्षाबंधन

क्यों खास है यह पर्व

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार राजा बली ने भगवान विष्णु से यह वचन लिया कि वह उनके साथ पाताल लोक में रहें। लेकिन इसके कारण माता लक्ष्मी परेशान हो गईं। उन्होंने एक गरीब महिला का रूप धारण किया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांधी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा। इसपर माता लक्ष्मी अपने असली रूप में प्रकट हुईं और उन्होंने भगवान विष्णु को पुनः अपने धाम लौटाने का वचन मांगा। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस उनके धाम भेज दिया।

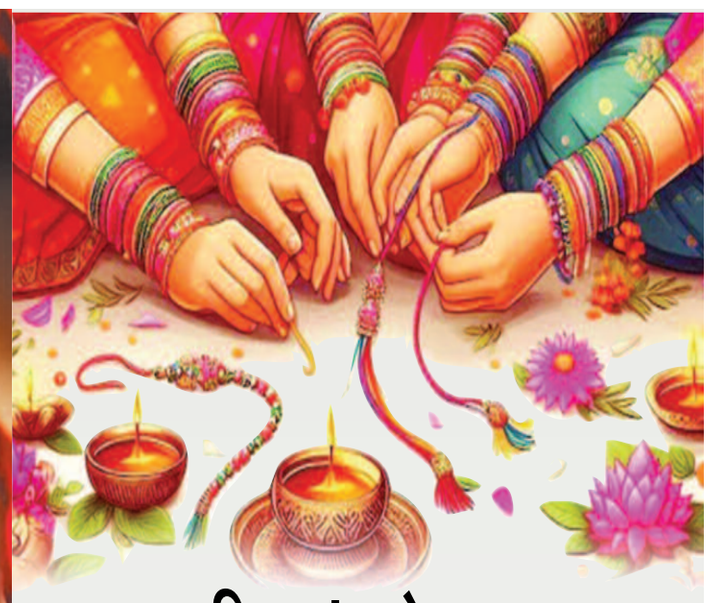

राखी बांधते वक्त इस दिशा में मुंह करके बैठें और यह मंत्र बोलें

श्रावण माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाता है। आओ जानते हैं कि राखी बांधते वक्त किस दिशा में मुंह करके बैठना चाहिए और कौनसा मंत्र बोलना जरूरी है।

राखी बांधते वक्त इस दिशा में रखें मुख

- यदि बहन अपने भाई को राखी बांध रही है तो बहन को पश्चिम में मुख करके भाई के ललाट पर रोली, चंदन व अक्षत का तिलक लगाते हुए उपरोक्ति मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
- भाई को पूर्वाभिमुख, पूर्व दिशा की ओर बिठाएं। बहन का मुंह पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए।
- उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनका मुख कभी भी दक्षिण दिशा की ओर न हो।
- **सिर ढकना** - अनुष्ठान करते समय भाई को अपना सिर रूमाल से ढकने की सलाह दी जाती है।

कौन सा मंत्र बोलते हुए बांधें राखी

येन बद्धो बली राजा
दानवेन्द्रो महाबल-।
तेन त्वां अभिबन्धामि रक्षे
मा चल मा चल।।

अर्थ- इस मन्त्र का अर्थ है कि जो रक्षा धागा परम कृपालु राजा बलि को बाँधा गया था, वही पवित्र धागा मैं तुम्हारी कलाई पर बाँधता हूँ, जो तुम्हें सदा के लिए विपत्तियों से बचाएगा। शास्त्रों के अनुसार रक्षा सूत्र बांधे जाते समय उपरोक्त मंत्र का जाप करने से अधिक फल मिलता है। इसके बाद भाई के माथे पर टीका लगाकर दाहिने हाथ पर रक्षा सूत्र बांधे। रक्षा सूत्र बांधते समय उपरोक्त मंत्र का उच्चारण करें।

यदि आप शिष्य या शिष्या अपने किसी गुरु को बांध रहे हैं रक्षा सूत्र तो उपरोक्त मंत्र है। ध्यान से देखने पर दोनों मंत्रों में अंतर नजर आएगा।

राखी खोलने के नियम

कभी भी तुरंत या फिर रक्षाबंधन के कुछ दिन बाद ही राखी नहीं खोलनी चाहिए। राखी को कम-से-कम जन्माष्टमी तक बांधकर रखना चाहिए। राखी को उतारकर कभी भी इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। आप इसे किसी बहते जल स्रोत में विसर्जित कर सकते हैं या फिर किसी पेड़-पौधे में रख सकते हैं।

रक्षाबंधन से पहले कोटद्वार बाजार में उमड़ी भीड़, जाम से लोग परेशान

रक्षाबंधन से एक दिन पूर्व बाजार में उमड़ी भीड़ के कारण लगा जाम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पहले कोटद्वार का बाजार खरीदारों से खचाखच भरा रहा। सुबह से ही शहर के मुख्य बाजार में लोगों की आवाजाही बढ़ने लगी थी। दोपहर तक स्थिति यह रही कि छोटी-बड़ी अधिकांश दुकानों में ग्राहकों की भीड़ दिखाई दी। पर्व को लेकर बाजार में बढ़ी चहल-पहल से कारोबारियों के चेहरे भी खिले नजर आए।

शुक्रवार को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाना है। इसके चलते पिछले दो दिनों से बाजार में खरीदारी का सिलसिला तेज है, लेकिन गुरुवार को भीड़ सबसे अधिक रही। आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग कोटद्वार पहुंचे। बहनों ने भाइयों के लिए पसंद की राखियां खरीदीं तो भाइयों ने बहनों को उपहार देने के लिए कपड़े, गिफ्ट और अन्य सामान की खरीदारी की। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कई दुकानदारों ने सामान पर विशेष ऑफर भी दिए। बाजार में बढ़ी भीड़ का असर यातायात व्यवस्था पर भी पड़ा। खरीदारी के लिए पहुंचे कई लोगों ने अपने वाहन सड़क किनारे या सड़क पर ही खड़े कर दिए। इससे दिन भर अलग-अलग स्थानों पर यातायात दबाव बना रहा और लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ा।

वही, रक्षाबंधन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग भी सक्रिय रहा। प्रशासन और खाद्य विभाग की टीम ने बाजार में विभिन्न दुकानों का निरीक्षण कर मिठाई समेत अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। टीम ने कारोबारियों को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ दुकानों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने दुकानदारों को खाद्य पदार्थों में मिलावट या गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी तरह की लापरवाही नहीं करने की चेतावनी दी।

मासिक स्टाइपेंड को 30 हजार करने की मांग की

श्रीनगर गढ़वाल : एमबीबीएस इंटर्न्स के मासिक स्टाइपेंड में वृद्धि की मांग के लिए मेडिकल कॉलेज के इंटर्न्स ने कॉलेज के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में इंटर्न्स ने वर्तमान में मिल रहे 17 हजार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड को बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की। इंटर्न्स का कहना है कि इंटर्नशिप के दौरान वे मरीजों की देखभाल, वार्ड एवं ओपीडी सेवाओं के साथ ही आपातकालीन और नाइट ड्यूटी समेत विभिन्न क्लिनिकल जिम्मेदारियां निभाते हैं। उनकी जिम्मेदारियों और कार्यभार को देखते हुए वर्तमान स्टाइपेंड में सम्मानजनक वृद्धि की जानी चाहिए। ज्ञापन देने वालों में डॉ. जतिन फुलेरा, डॉ. मानव शर्मा, डॉ. कृतिका, डॉ. आदित्य जैन, डॉ. यश जिंदल, डॉ. केशव मित्तल, डॉ. प्रेरणा, डॉ. सुरभि नेगी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

विद्यार्थियों ने पुलिस कर्मियों को बांधी रखी

पुलिस कर्मियों को राखी बांधते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर नवयुग पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने कोतवाली पहुंचकर पुलिसकर्मियों की कलाइयों पर राखी बांधी। छात्राओं ने पुलिस जवानों को रक्षा सूत्र बांधते हुए उनकी सेवाओं के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या नीलम नेगी और प्रशासक अर्पिता नेगी ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी दिन-रात समाज की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाएं रखने के लिए जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्होंने नशे, चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों को भी सराहनीय बताया। रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में विद्यालय में भी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। प्राथमिक वर्ग के बच्चों ने भाई-बहन के रिश्ते पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया। प्रस्तुति के माध्यम से भाई-बहन के बीच प्रेम, सम्मान, सुरक्षा और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए राखी निर्माण प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए अपनी कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया और रंग-बिरंगी एवं आकर्षक राखियां तैयार कीं। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों और रचनात्मक प्रयासों की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल में खुला किसानों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र

चिन्यालीसौड़। पहाड़ की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच खेती करने वाले किसानों के लिए मोबाइल अब सिर्फ संचार का साधन नहीं बल्कि कृषि विशेषज्ञ की भूमिका भी निभा रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के किसान सारथी एप ने उत्तरकाशी के 20,568 किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से सीधे जोड़ दिया है।

वर्ष 2005 में चिन्यालीसौड़ में स्थापित जनपद के एकमात्र कृषि विज्ञान केंद्र ने अब तक किसानों को प्रशिक्षण और फील्ड परीक्षण के माध्यम से आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ा है। केंद्र परिसर में किसानों, छात्रों और कर्मचारियों समेत करीब 1,500 लोगों को इन गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अब डिजिटल तकनीक ने अभियान को गांव–गांव और घर–घर तक पहुंचा दिया है।किसान सारथी एप के माध्यम से किसानों को पॉलीहाउस, कीवी उत्पादन, बागवानी, पशुपालन और फसल प्रबंधन की वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी मिल रही है। कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ के वैज्ञानिक डा. कमल कुमार पांडेय ने बताया कि एप के जरिए किसानों को 24 घंटे खेती–किसानी, मौसम और फसल बीमा योजना की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

कांग्रेस ने मंदिरों से जुड़े मामलों पर भाजपा सरकार को घेरा

उत्तरकाशी। जिला कांग्रेस कमेटी उत्तरकाशी ने जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत के नेतृत्व में गंगोत्री विधानसभा के बाड़ागड्डी क्षेत्र के किशनपुर, मानपुर, कुरोली और कंकराड़ी गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से संवाद कर जनसमस्याएं सुनीं और मंदिरों में सामने आए कथित चोरी एवं अनियमितताओं के मामलों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।भ्रमण के दौरान जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत ने भाजपा पर धर्म और आस्था के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के शासन में यदि मंदिर ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर से जुड़ी चोरी की खबरों, केदारनाथ धाम में सोने की परत को लेकर उठे विवाद और बद्रीनाथ धाम से जुड़े चोरी के मामलों पर सरकार से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

भूस्खलन से तीन वाहन क्षतिग्रस्त, स्कूटी मलबे में दबी

नंदानगर। बृहस्पतिवार दोपहर दो बजे नंदानगर–सितेल–सुतोल मार्ग पर टैक्सी स्टैंड के ऊपर अचानक भूस्खलन हो गया। मलबे में तीन चौपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और एक स्कूटी मलबे में दब गई। मार्ग पर यातायात भी अवरुद्ध हो गया।बृहस्पतिवार को दोपहर दो बजे अचानक पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा आ गिरा। इससे टैक्सी स्टैंड पर खड़ी दो कार, एक कैंपर को नुकसान हुआ है। एक स्कूटी मलबे में दब गई। नंदानगर बाजार से करीब 100 मीटर आगे हुए इस भूस्खलन से काफी मात्रा में मलबा व पेड़ गिरकर सड़क पर आ गए हैं। इस क्षेत्र में रुक–रुककर पत्थर गिर रहे हैं। इसे देखते हुए पुलिस ने बैरिकेड लगा दी है ताकि कोई उस तरफ न जा सके।

अंडर 17 में वॉलीबाल में जीआईसी पोखरी प्रथम

पोखरी (चमोली)। विकासखंड पोखरी की दो दिवसीय शरदकालीन खेलकूद प्रतियोगिता बृहस्पतिवार को संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

मिनी स्टेडियम विनायक धार में आयोजित प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंडर 17 बालक की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नागनाथ पोखरी विजेता रहा। अंडर 19 बालक की कबड्डी प्रतियोगिता में जीआईसी नागनाथ पोखरी प्रथम व जीआईसी थालाबैंड द्वितीय स्थान पर रहा। अंडर 14 बालक की कबड्डी में हाईस्कूल भिकोना प्रथम व हाईस्कूल वीणा द्वितीय स्थान पर रहा। मुख्य अतिथि खंड शिक्षाधिकारी नेहा भट्ट ने कहा कि खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास होता है।

राखी मेकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर एमकेवीएन एजुकेशनल ग्रुप के विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। पर्व की पूर्व संध्या पर छात्र-छात्राओं के बीच राखी मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता को अलग-अलग आयु वर्गों में आयोजित किया गया। कक्षा एक से दो वर्ग में अक्षरा ने प्रथम स्थान हासिल किया। जाह्नवी नेगी दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि चित्रा और प्रियांशु ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा तीन से पांच वर्ग में राजा दुष्यंत सदन ने बाजी मारी और प्रथम स्थान हासिल किया। सम्राट सदन को द्वितीय तथा मां शकुंतला सदन को तृतीय स्थान मिला। कक्षा छः से आठ वर्ग में महर्षि कण्व सदन प्रथम रहा।

मां शकुंतला सदन ने दूसरा और सम्राट सदन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। दुर्गापुरी स्थित विद्यालय में भी राखी निर्माण प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों और सजावटी सामग्रियों का प्रयोग कर आकर्षक राखियां तैयार कीं। इसके बाद छात्राओं ने विद्यालय के बस

विद्यालय में रक्षाबंधन पर्व मनाते विद्यार्थी

चालकों, परिचालकों और अन्य कर्मचारियों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंध निदेशक प्रकाश चंद्र कोठारी, कार्यकारी निदेशक मयंक कोठारी, प्रधानाचार्या कविता रावत और उप प्रधानाचार्या रेखा नेगी सहित विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए पर्व के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व से भी अवगत कराया।

किशोर को सम्मानित करेगा शैलशिल्पी विकास संगठन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शैलशिल्पी विकास संगठन की ओर से पिथौरागढ़ निवासी समाज सेवी किशोर ह्यूमन को उत्तराखंड राज्य कर्मवीर जयानंद भारतीय स्मृति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें सामाजिक सरोकारों, न्याय, समानता और जनहित के क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा।

मूल रूप से ग्राम एवं पोस्ट झूलाघाट, तहसील एवं जिला पिथौरागढ़ निवासी किशोर ह्यूमन वर्तमान में लिंथोड़ा, सिल्थाम, पिथौरागढ़ में रहते हैं। जहां वह लगातार समाज सेवा में जुटे हैं। शैलशिल्पी विकास संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने बताया कि यह सम्मान 6 सितंबर को कोटद्वार में आयोजित होने वाले 9वें शैलशिल्पी पराक्रम दिवस समारोह में प्रदान किया जाएगा। बताया कि कार्यक्रम 6 सितंबर 1932 के पौड़ी क्रांति दिवस की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शैलशिल्पी विकास संगठन द्वारा यह सम्मान महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, क्रांतिकारी समाज सुधारक, डोला-पालकी आंदोलन के प्रेरणास्रोत तथा पौड़ी क्रांति के नायक उत्तराखंड रत्न कर्मवीर जयानंद भारतीय की स्मृति को जीवित रखने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। सम्मान ऐसे व्यक्तियों को दिया जाता है, जो न्याय, समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे मानवीय मूल्यों को मजबूत करने के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। समारोह के दौरान शैलशिल्पी विकास संगठन द्वारा प्रकाशित '6 सितंबर 1932 पौड़ी क्रांति के नायक उत्तराखंड रत्न कर्मवीर जयानंद भारतीय स्मृति स्मारिका 2026' का लोकार्पण भी किया जाएगा।

यूजी में प्रवेश के लिए 31 अगस्त तक करें पंजीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विवि में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह प्रक्रिया सीयूईटी (यूजी)-2026 के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद विवि के परिसरों तथा संबद्ध महाविद्यालयों/संस्थानों में उपलब्ध रिक्त सीटों को भरने के लिए शुरू की गई है। बीए एलएलबी पाठ्यक्रम को इस प्रवेश प्रक्रिया से बाहर रखा गया है।

विवि की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 27 अगस्त को दोपहर 2 बजे से 31 अगस्त की रात 11:55 बजे तक समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया 8 सितंबर तक पूरी कर दी जाएगी। विवि के बिड़ला परिसर श्रीनगर में बीएससी लाइफ साइंस, बीएससी गणित, बीकॉम. बीएससी योगिक साइंस, होटल मैनेजमेंट, बीए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, इंटीग्रेटेड एमबीए तथा लोक संगीत एवं लोक नृत्य डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में विभिन्न श्रेणियों में सीटें उपलब्ध हैं। इसी तरह एसआरटी परिसर टिहरी में बीकॉम, बीए, बीएससी लाइफ साइंस तथा बीएससी गणित में जबकि डॉ. बीजीआर परिसर पौड़ी में बीकॉम, बीए, बीएससी लाइफ साइंस और बीएससी गणित में रिक्त सीटें हैं। इसके अलावा बिड़ला परिसर श्रीनगर में बीटेक तृतीय सेमेस्टर की लेटरल एंट्री योजना के तहत सीएसई, ईसीई, आईई, आईटी और एमई शाखाओं में भी रिक्त सीटें हैं। विवि के जनसंपर्क अधिकारी आशुतोष बहुगुणा ने बताया कि प्रवेश पात्रता, मेरिट और उपलब्ध सीटों के आधार पर दिया जाएगा। (एजेंसी)

विद्यालयों में मनाया रक्षाबंधन, छात्राओं ने भाइयों को बांधा रक्षा सूत्र

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर जानकी नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर राखी बांधकर भारतीय संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती और संयोजक आचार्य रोहित बलोदी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते में स्नेह और विश्वास को मजबूत करने के साथ समाज में प्रेम, सौहार्द और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देता है। प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती ने कहा कि भारतीय संस्कृति में त्योहारों का विशेष महत्व है। रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का

कोटद्वार के जानकी नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में भाइयों को राखी बांधती छात्राएं।

पर्व नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, जिम्मेदारी, सहयोग और संवेदनशीलता का भाव विकसित करने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं को समझने तथा भारतीय संस्कारों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

गंगोत्री हाईवे : ज्ञानसू से भटवाड़ी तक गड्ढे ही गड्ढे

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर ज्ञानसू से लेकर भटवाड़ी तक बने गड्ढे बड़े हादसों को न्योता दे रहे हैं। साथ ही अब मानसून सीजन के बाद शुरू होने वाली चारधाम यात्रा में एक बार फिर लोगों को गड्ढों के साथ नेताला–भटवाड़ी के भूस्खलन जोन व धंसती सड़कें यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बनेगी। इसको लेकर भाजपा के जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर बीआरओ को जल्द ही सड़क के गड्ढे भरने के निर्देश देने की मांग की है।

दूसरी ओर जिला होटल एसोसिएशन की ओर से भी नेताला के भूस्खलन जोन सहित गंगोत्री हाईवे क चौड़ीकरण की मांग को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि अब दोबारा मानसून सीजन के बाद चारधाम यात्रा रफ्तार पकड़ती है लेकिन सड़क की दुर्दशा एक बार फिर मुसीबत का सबब बन सकती है। साथ ही

कहा कि बड़ेथी से लेकर गंगोत्री तक सड़क का चौड़ीकरण जल्द किया जाए। वहीं, बड़ेथी से तेखला तक प्रभावित होने वाले लोगों को जल्द ही मुआवजा दिया जाए। दूसरी ओर भाजपा के जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने कहा कि गंगोत्री हाईवे पर विशालकाय गड्ढे हर समय हादसों को न्योता दे रहे हैं। पूर्व में गंगोरी और आसपास के क्षेत्र में इन गड्ढों की वजह से कई हादसे हो चुके हैं। साथ हल्की बरसात होने पर यह गड्ढे पानी भरने के कारण तालाब का रूप ले लेते हैं। बीआरओ की इस कार्यप्रणाली के कारण लोगों में बहुत रोष है।

डेढ़ साल से अटके व्यापार मंडल चुनाव

रानीखेत (अल्मोड़ा)। नगर व्यापार मंडल के चुनाव करीब डेढ़ साल से लंबित हैं। इस दौरान कभी चुनाव प्रक्रिया में अनियमितता तो कभी आय–व्यय का सही ब्योरा नहीं दिए जाने को लेकर चुनाव प्रक्रिया विवादों में रही। अब कुछ दिन पहले जिलाध्यक्ष और महामंत्री के इस्तीफे के बाद व्यापारियों में चुनाव को लेकर असमंजस और बढ़ गया है। पूर्व में 1500 रुपये की निर्धारित धनराशि जमा कर नामांकन करा चुके प्रत्याशी भी जल्द चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद–244001 द्वारा निविदाकर्ताओ से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रणाली के अर्न्तगत भंण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	माल का विवरण	मात्रा (नम्बर में)	अनुमानित मूल्य (रू.में)	निविदा खुलने की तिथि
01	GEM/2026/B/7888300	स्मार्ट कार्ड से चलने वाली (ATVM) टिकट वेंडिंग मशीन	50 नम्बर	74,00,000.00	21.09.2026 11:00 AM

नोटः– पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्तें वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। पत्र. सं०:– 50-S/LP/2026 दिनांक. 05.08.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2972/26

विद्यार्थी आलस्य से दूर रहकर अपनी प्रतिभा को पहचाने

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय के चौरास परिसर स्थित स्वामी मनमंथन ऑडिटोरियम में 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, प्रधानमंत्री के साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन में देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने, युवाओं को खेलों से जोड़ने, खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक एवं प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप ओलंपिक खेलों की संभावनाओं को विकसित करने और युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के संकल्प से

जुड़ने का संदेश दिया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन को सुना तथा खेल, फिटनेस और युवा सहभागिता से जुड़े विषयों पर संवाद किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों को सुनना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें जीवन और कार्य व्यवहार में ग्रहण करना आवश्यक है। खेलों के लिए केवल संसाधनों से अधिक जुनून, अनुशासन और निरंतर परिश्रम की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों को आलस्य से दूर रहकर अपनी प्रतिभा को पहचानना चाहिए। विश्वविद्यालय में खेलों के लिए आवश्यक संसाधन विकसित करने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। देश में खेलों के प्रति सोच में सकारात्मक बदलाव आया है और विद्यार्थियों को ऐसा कार्य करना चाहिए जिससे परिवार, विश्वविद्यालय और राष्ट्र का गौरव बढ़े। कुलपति ने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उपस्थित विद्यार्थियों को संकल्प भी दिलाया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और अनुशासित युवा ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

प्रधानाचार्य, ओक ग्रोव स्कूल, उत्तर रेलवे, झड़ीपानी, मसूरी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए निर्धारित प्रोफोर्मा पर मोहरबंध खुली निविदाये आमंत्रित की जाती हैं जोकि दिनांक 22.09.2026 को खोली जायेंगी :

निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशी	निविदा प्रपत्र का मूल्य
04/W/OGS/2026-2027	ओक ग्रोव स्कूल के लिए 01.10.2026 से 30.09.2027 की अवधि के दौरान कपड़ो की धुलाई एवं इस्तरी का कार्य करना (एक साल)	₹29.33 लाख	₹58,660.00	₹3,000.00 प्रति सेट

कृपया ध्यान दें:
1. धरोहर राशी के बिना प्राप्त निविदा अस्वीकार कर दी जायेंगी।
2. निविदा प्रपत्र प्रधानाचार्य, ओक ग्रोव स्कूल, उत्तर रेलवे, झड़ीपानी, मसूरी, जिला देहरादून, उत्तराखंड – 248179 के कार्यालय से दिनांक 07.09.2026 से दिनांक 21.09.2026 के 17:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं (डाक से निविदा प्रपत्र मंगवाने हेतु ₹500.00 अतिरिक्त देय होंगे, डाक से निविदा प्रपत्र मंगवाने हेतु नियत मूल्य के बैंक ड्राफ्ट सहित प्रार्थना पत्र दिनांक 05.09.2026 तक पहुँच जाना चाहिए)। निविदा प्रपत्र के मूल्य का बैंक ड्राफ्ट वरिष्ठ मंडल वित् प्रबंधक उत्तर रेलवे मुरादाबाद के पक्ष में देय होगा । निविदा प्रपत्र की राशी वापिस नहीं की जायेगी, निविदा प्रपत्र अहस्तान्तर्नीय है।
3. उचित रूप में सील निविदा प्रपत्र दिनांक 22.09.2026 के 12:00 बजे तक प्रधानाचार्य, ओक ग्रोव स्कूल, उत्तर रेलवे, झड़ीपानी, मसूरी, जिला देहरादून, उत्तराखंड – 248179 के कार्यालय में रखे गए निविदा बॉक्स में जमा किये जा सकते है एवं तदुपरान्त निविदाये तुरन्त खोली जाएंगी। उचित रूप में सील निविदा प्रपत्रो को रजिस्ट्री डाक द्वारा भी भेजा जा सकता है जो कि उपर वर्णित निश्चित तिथि एवं समय से पूर्व पहुँच जाने चाहिये । नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त निविदा को निरस्त कर दिया जायेगा।
4. निविदा की वैधता अवधि : निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन
5. निविदाकर्ता निविदा प्रपत्र में धरोहर राशि, निविदा फार्म की कीमत से सम्बन्धित शर्तों एवं अन्य शर्तों को ध्यान से पढ लें.
6. निविदा सूचना ओक ग्रोव स्कूल की वेबसाईट www.oakgrovejharipani.in एवं उत्तर रेलवे की वेबसाईट www.nr.indianrailways.gov.in पर भी उपलब्ध है। निविदा प्रपत्र भी इस वेबसाईट पर दिनांक 07.09.2026 से दिनांक 21.09.2026 के 17:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा.

निविदा सूचना संख्या 04/W/OGS/2026-2027 दिनांक 27.08.2026 2964/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुचोवा-मेंसिक ने बेनसिक-कोबोली की जोड़ी को हराकर खिताब जीता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। जैकब मेंसिक और कैरोलिना मुचोवा ने गुरुवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए फाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक को हराकर यूएस ओपन 2026 का मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। चेक जोड़ी ने एक टीम के तौर पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता, उन्होंने इटैलियन-स्विस जोड़ी को एक घंटे, 13 मिनट के मुकाबले में 6-3, 1-6, (10-6) से हराया। मेंसिक और मुचोवा ने अच्छी शुरुआत की, अपनी सर्व बनाए रखते हुए 2-1 की बढ़त बनाई, फिर चौथे गेम में बेनसिक और कोबोली की सर्विस तोड़ी, जिसमें स्विस खिलाड़ी ने वाइड शॉट मारा। बेनसिक और कोबोली ने छठे गेम में लव पर पकड़ बनाए रखते हुए जोरदार वापसी की, लेकिन ब्रेक नहीं ले सके और चेक जोड़ी ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में बेनसिक और कोबोली ने ब्रेक वापस ले लिया, जब बेनसिक ने फोरहैंड रिटर्न विनर मारा, और 3-1 की बढ़त बना ली। उनकी शानदार वापसी तब जारी रही जब कोबोली ने अपनी सर्व को मजबूत किया, इससे पहले कि मेंसिक की सर्विस टूट गई। बेनसिक ने दूसरे सेट के लिए सर्व किया और इसे 6-1 से जीत लिया। यह टाईब्रेक तक गया, लेकिन चेक जोड़ी ने अपने विरोधियों को दूर रखने के लिए काफी कुछ किया।

वे 9-5 से आगे थे, इससे पहले कि मेंसिक ने टाईब्रेक जीतने और यूएस ओपन का खिताब जीतने के लिए एक ऐस लगाया। दोनों इस गेम में सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुबलेव पर टाईब्रेक जीत के बाद आए थे। मैच के बाद मुचोवा ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिर में, मैचिंग आउटफिट ने हमारे लिए फर्क पैदा किया। मुझे सच में उम्मीद नहीं थी कि मैं आज रात यहां खड़ी रहूंगी। हम बस मजे करने और इस मिक्स्ड डबल्स का आनंद लेने आए थे। अब हम यहां खड़े हैं।' मेन्सिक ने इस बड़ी जीत पर कहा, 'मैं पहली बार यहां खड़ा हुआ हूं। टूर्नामेंट से पहले मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन यह बहुत मजेदार है। यह जीत अद्भुत है।'

भारत दौरे की वजह से न्यूजीलैंड में टिकटों की रिकॉर्ड मांग

क्राइस्टचर्च ,एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के इंटरनेशनल समर क्रिकेट ने रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत की है। क्रिकेट नेशन मेंबर्स की प्री-सेल के पहले 48 घंटों के अंदर 26,000 टिकट बिक गए। टिकटों की जबरदस्त मांग भारत दौरे की वजह से है। भारतीय टीम अक्टूबर में मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। इस दौरे पर 12 मैच खेले जाने हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क में व्हाइट-बॉल मैच शुरुआती बिक्री में सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा हैं। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की जबरदस्त मांग देखी गई है। 9,000 की क्षमता वाले इस वेन्यू पर 22 और 24 अक्टूबर को होने वाले शुरुआती दो टी20 के साथ-साथ 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले टूर के दूसरे और आखिरी टेस्ट के लिए भी टिकट बिक जाने की उम्मीद है। वेलिंगटन में भी टिकटों की बिक्री जोरों पर है। यहां तीसरा टी20 और दूसरा वनडे खेला जाना है। पहला टेस्ट, जो 19 नवंबर से शुरू होगा, बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग और कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि शुरुआती रिस्पॉन्स भारत के दौरे को लेकर उत्साह दिखाता है। शुरू से ही फैन्स के लिए हमारा संदेश यही रहा है कि वे कुछ भी मिस न करने के लिए तैयार रहें। पहले दो दिनों में टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री से यह साबित होता है कि बहुतों ने हमारी बात सुनी है। न्यूजीलैंड के लोगों के लिए यह एक बहुत कम मिलने वाला मौका है कि वे भारत से जुड़े क्रिकेट के खेल का जबरदस्त मजा लें और दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिकेट स्टार को खेलते हुए देखें।' उन्होंने कहा, 'हमने जानबूझकर टिकट की कीमतें पिछले सीजन जितनी ही रखी हैं, और हमारे क्रिकेट नेशन एक्सेस कोड का इस्तेमाल करके एक टिकट 30 डॉलर से कम में मिल रहा है। हमें खुशी है कि फैंस अपनी सीट पक्की करने के लिए जल्दी आ रहे हैं और जनरल पब्लिक सेल में अभी 11 दिन बाकी हैं। हमारा संदेश यही है कि मौका न चूकें। क्रिचली ने 'द फोर' और 'द सिक्स' ग्रुप टिकट पैकेज के साथ-साथ वेन्यू टिकट बंडल को भी हाईलाइट किया, जो उन सपोर्टर्स के लिए अतिरिक्त वैल्यू विकल्प है और जो कई मैच देखने का प्लान बना रहे हैं। जनरल पब्लिक सेल 7 सितंबर से शुरू होने वाली है। हालांकि, फैंस अभी भी क्रिकेट नेशन के लिए साइन अप करके एक्सक्लूसिव प्री-सेल का फायदा उठा सकते हैं, जो टिकटों पर 15 प्रतिशत का डिस्काउंट भी देता है।

सीपीएल 2026

टिम सिफर्ट का विस्फोटक शतक, सेंट लूसिया ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराया

त्रिनिदाद,एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 17वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हरा दिया। सेंट लूसिया की जीत में पारी की शुरुआत करने आए विस्फोटक बल्लेबाज टिम सिफर्ट के विस्फोटक शतक की अहम भूमिका रही। ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में त्रिनबागो नाइट राइडर्स को जीत के लिए 212 रन का विशाल लक्ष्य मिला था, लेकिन बड़े लक्ष्य के सामने टीम लड़खड़ा गई और 20 ओवर में 6 विकेट पर 175 रन बना सकी। त्रिनबागो के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए दिग्गज ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड ने विस्फोटक तूफानी अर्धशतक लगाया, लेकिन उसका फायदा टीम को नहीं हुआ। पोलार्ड ने 26 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 65 रन की पारी खेली। इसके अलावा पारी की शुरुआत करने आए कोलिन मुनरो ने 35 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। सुनील नरेन ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाए। कप्तान निकोलस पूरन (0), मैथ्यू ब्रिट्जके (0) और मैथ्यू ट्रॉम्प की 26 गेंदों पर खेली गई 15 रनों की पारी त्रिनबागो की हार का मुख्य कारण रही। सेंट लूसिया किंग्स के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए।

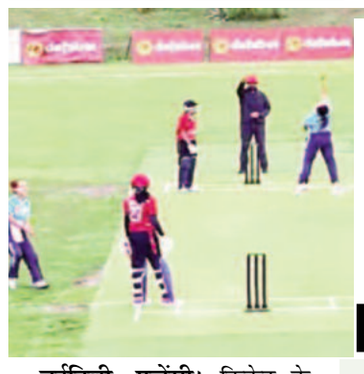

35 पर सारे प्लेयर ऑलआउट

7 खिलाड़ी जीरो पर निपटे...

क्रिकेट के मैदान में इस टीम का हो गया तमाशा

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी ऐसा प्रदर्शन देखने को मिलता है, जिस पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है. वुमेंस कॉन्टिनेंटल कप 2026 में ऑस्ट्रिया की महिला टीम के साथ कुछ ऐसा ही हुआ. ग्वेर्नसे के खिलाफ एक दिन पहले 85 रन की शानदार जीत दर्ज करने वाली ऑस्ट्रिया की टीम अगले ही मुकाबले में तुर्की के सामने सिर्फ 35 रन पर ऑलआउट हो गई. टीम के सात बल्लेबाजों का खाता तक नहीं खुला. बारिश की वजह से मुकाबला 10-10 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन मैच भी ज्यादा देर नहीं चला. तुर्की ने सिर्फ 82 गेंद में मुकाबला खत्म कर दिया और 27 गेंद बाकी रहते आठ विकेट से जीत दर्ज 3की. बुखारेस्ट के मोआरा व्लासी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में तुर्की की कप्तान कुब्रा कनावरची ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया.

20 रन की साझेदारी के बाद फिर शुरू हुआ विकेटों का सिलसिला

सलामी बल्लेबाज कोमाती रेड्डी और शीतल भारद्वाज ने पारी को संभालने की कोशिश की. दोनों ने चौथे विकेट के लिए 20 रन जोड़े. लेकिन तुर्की की कप्तान कनावरची ने रेड्डी को आउट कर यह साझेदारी तोड़ दी. रेड्डी ने 19 गेंदों पर आठ रन बनाए. इसके बाद तुर्की की गेंदबाजों ने ऑस्ट्रिया के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया. कनावरची ने मल्लिका पाथिरानाहेलागे को आउट किया, जबकि उसी ओवर में प्रविथा गणेशन भी पवेलियन लौट गईं. अगले ओवर में हाजर सेलिक ने तो कहर ही बरपा दिया.

कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका

ऑस्ट्रिया की पारी 8.1 ओवर में 35 रन पर सिमट गई. शीतल भारद्वाज रन आउट होने वाली आखिरी बल्लेबाज रहीं. ऑस्ट्रिया की ओर से कोई भी बल्लेबाज 10 रन तक नहीं पहुंच सका. रेड्डी के आठ रन टीम की पारी का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा. यह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऑस्ट्रिया का अब तक का सबसे कम स्कोर भी बन गया. यानी एक दिन पहले ग्वेर्नसे के खिलाफ 85 रन से जीत दर्ज करने वाली टीम अगले ही मुकाबले में 35 रन पर ढेर हो गई.

तुर्की ने 5.3 ओवर में खत्म कर दिया मैच

तुर्की को जीत के लिए सिर्फ 36 रन का लक्ष्य मिला था. लक्ष्य छोटा था, लेकिन टीम को भी शुरुआत में झटका लगा. कप्तान कनावरची सिर्फ चार गेंद खेलकर बिना खाता खोले मल्लिका की गेंद पर आउट हो गईं. इसके बाद मल्लिका ने अपनी अगली ओवर में दूसरे सलामी बल्लेबाज सुजान तुरान को भी पवेलियन भेज दिया. हालांकि इसके बाद जेहरा एंडर और मेलिके बायराम ने कोई और मौका नहीं दिया. दोनों ने मिलकर तुर्की को 5.3 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया. एंडर ने 12 गेंदों पर 13 रन बनाए, जबकि बायराम ने 11 रन की पारी खेली. बायराम ने अपनी पारी में मुकाबले का इकलौता छक्का भी लगाया.तुर्की ने आठ विकेट से मुकाबला अपने नाम किया और उसके पास 27 गेंदें बाकी थीं.

ऑस्ट्रिया की कप्तान प्रिया साबू पारी के पहले ही ओवर में एजगी नूर किलिक की गेंद पर बोल्ड हो गईं. वह सिर्फ दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गईं. दूसरे ओवर में आशी चोपला रन आउट हो गईं. वह भी दो गेंद खेलकर डक पर आउट हुईं. इसके बाद तीसरे ओवर में विकेटकीपर बल्लेबाज हादिया सिद्दीकी को हाजर सेलिक ने बोल्ड कर दिया.

कोलंबो टेस्ट

सोनल दिनुशा ने रचा इतिहास, भारत के खिलाफ ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले श्रीलंकाई बने

कोलंबो,एजेंसी। शानदार फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के सोनल दिनुशा ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान दूसरी इनिंग में अर्धशतक लगाते हुए बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। सोनल दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान सभी चार पारियों में 50 से ज्यादा रन बनाने वाले श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं इससे भी बड़ी बात यह है कि वह भारत के खिलाफ ऐसा करने वाले पहले श्रीलंकाई हैं। इससे पहले श्रीलंका के कुमार संगकारा और दिमुथ करुणारत्ने ने यह उपलब्धि हासिल की है। लेकिन भारत के खिलाफ यह पहला मौका है। संगकारा ने दो बार दो मैचों की टेस्ट सीरीज में यह रिकॉर्ड बनाया है। संगकारा ने बांग्लादेश के खिलाफ 2013 और फिर इंग्लैंड के खिलाफ उसी के घर में 2014 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 4 बार 50 प्लस स्कोर बनाया था। करुणारत्ने ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब इस लिस्ट में सोनल का नाम शामिल हो गया है जिन्होंने भारत के खिलाफ ऐसा किया।

श्रीलंका ने हारते मैच में पलटी बाजी, कोलंबो टेस्ट में भारत ड्रॉ के लिए मजबूर

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले गए सीरीज का दूसरा मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ है। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेले गए इस मैच में टीम इंडिया दूसरी पारी में श्रीलंका को ऑलआउट नहीं कर पाई और यह मैच ड्रॉ पर छूटा। इसी के साथ भारतीय टीम ने सीरीज को 1-0 से जीत लिया।

2026 के बाद क्रिकेट को कहेंगे अलविदा

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान लेंगे संन्यास

नई दिल्ली,एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने 2026 सीजन के अंत में सभी तरह के पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। 39 वर्षीय एल्गर ने परिवार को अधिक समय देने को अपने फैसले की मुख्य वजह बताया और दो दशक से ज्यादा लंबे करियर को अलविदा कहने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अनुभवी सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर ने क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। 39 वर्षीय एल्गर 2026 सीजन के अंत में पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे। इसके साथ ही दो दशक से अधिक लंबे उनके शानदार क्रिकेट करियर का अंत हो जाएगा।

अब परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं

अपने संन्यास के फैसले पर एल्गर ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब मेरे लिए सही समय है। मैं अब 39 साल का हूं और घर पर बहुत कुछ चल रहा है। मेरे बच्चे तेजी से बड़े हो रहे हैं। मैं अब अपने परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के लिए 12 साल खेलना और फिर टीम की कप्तानी करना उनके करियर के सबसे गौरवपूर्ण पलों में रहा। एल्गर ने कहा, 'अगर मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखता हूं तो शायद बहुत कम लोगों ने सोचा होगा कि मेरा क्रिकेट करियर इतना लंबा चलेगा। दो दशक से ज्यादा का करियर होना मेरे लिए बेहद खास है।'

86 टेस्ट में बनाए 5347 रन

डीन एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 86 टेस्ट मैच खेले और 37.92 की औसत से 5347 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 14 शतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा, जो उन्होंने 2017 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी भी 18 टेस्ट मैचों में की। उन्होंने जनवरी 2024 में भारत के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में आखिरी बार प्रोटियाज टीम की कप्तानी की थी। उस मुकाबले में नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा चोटिल होने के कारण टीम का हिस्सा नहीं थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में सहवाग और द्रविड़ के बेटों का चयन

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। जूनियर पुरुष चयन समिति ने घरेलू दौरे के लिए टीमों की घोषणा कर दी है, जिसका कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने वाला है। जिसमें राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाने वाले तीन 50 ओवर के मैच शामिल हैं। इसके बाद राजकोट में 27 से 30 सितंबर तक और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम 'बी' ग्राउंड में 5 से 8 अक्टूबर तक खेले जाने वाले दो लाल गेंद के बहुदिवसीय मैच होंगे। 50 ओवर के मैच में उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी कप्तानी करेंगे, जबकि मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशबर्धन चौहान उनके उप-कप्तान होंगे। चौहान लाल गेंद वाले मैचों में कप्तानी संभालेंगे और रायचंदानी उनके उप-कप्तान होंगे। लेग स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है, लेकिन दोनों ही वनडे मैचों के लिए चुनी गई टीम में शामिल नहीं हैं। आर्यवीर फिलहाल 2026 दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेल रहे हैं और अब तक सिर्फ दो मैच ही खेल चुके हैं। वहीं, अन्वय ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम के लिए दो 50 ओवर के मैचों में 101 रन बनाए। उस दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम 50 ओवर की सीरीज 2-1 से हार गई, लेकिन रेड बॉल सीरीज 1-0 से जीत ली। आर्यवीर के अलावा, मनल चौहान और चिगुरुपति वेंकट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर के मैचों में शामिल किया गया है, जबकि सागर विर्क, अनमोलजीत सिंह और ईशान सूद को टीम से बाहर रखा गया है। मल्टी-डे गेम्स टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज अभिप्रय बिस्वास (विकेटकीपर), इशान ओम, अयान अकरम, मोहित उलवा और आर्यन यादव को शामिल किया गया है, उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन संदेश सकपाल, हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, काव्या परेश पटेल और चिगुरुपति वेंकट को शामिल किया गया है। एकदिवसीय मैचों के लिए भारत की यू19 टीम में लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशबर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल है। बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-19 टीम में यशबर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय विश्वास (विकेटकीपर), रोहित यादव, इशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा और आर्यन यादव है।